1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:33 Page 1

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
1 नवंबर 2025
शनिवार

ब्रह्मपुर और डुमरांव विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव तैयारियों का सचिव ने किया निरीक्षण 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अमेरिका में मानव तस्करी गिरोह पर कार्रवाई, भारतीय मूल के दंपती से जुड़ी कंपनियों पर पर लगाया प्रतिबंध

- **राजस्थान, यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश समेत कई इलाके प्रभावित**

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने एक बड़े मानव तस्करी गिरोह पर शिकंजा कसते हुए भारतीय मूल के दंपती और उनकी कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कार्रवाई के तहत विक्रांत भारद्वाज, उनकी पत्नी इंदु रानी, और ह्यभारद्वाज ह्यूमन स्मगलिंग ऑर्गेनाइजेशन (एचएसओ) से जुड़ी 16 कंपनियों को अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, कैनकून (मेक्सिको) स्थित यह गिरोह यूरोप, मध्य पूर्व, दक्षिण अमेरिका और एशिया के देशों से अवैध रूप से लोगों को अमेरिका पहुंचाने का काम करता था। यह नेटवर्क समुद्र और हवाई मार्ग से लोगों को अमेरिका की सीमा तक लाता था और इसके लिए लाखों डॉलर वसूलता था। अमेरिकी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने बताया कि यह संगठन ड्रग तस्करी, रिश्वतखोरी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में भी शामिल था। विक्रांत भारद्वाज और उनकी पत्नी के अलावा मेक्सिको, भारत और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित कई रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी कंपनियां भी जांच के दायरे में हैं। अमेरिकी ट्रेजरी ने कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर मानव तस्करी नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

किन-किन कंपनियों पर लगाया गया बैन

- नीति उन्मेष भट्ट ने अपनी कंपनी इंडिसोल मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर जनवरी और दिसंबर 2024 के बीच एक अमेरिकी नामित फर्म से लगभग 74 मिलियन डॉलर प्राइस के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल्स का इम्पोर्ट किया.
- पीयूष मगनलाल जाविया और उनकी फर्म केमोविक प्राइवेट लिमिटेड, जिसने 2024 और 2025 के बीच 7 मिलियन डॉलर से ज्यादा ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल्स का आयात किया.
- कमला कनयालाल कासट, कुणाल कनयालाल कासट, और पूनम कुणाल कासट, जिनकी कंपनी हरेश पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड ने इसी अवधि में लगभग 10 मिलियन डॉलर के ईरानी पेट्रोकेमिकल उत्पाद का इम्पोर्ट किया.
- मार्शल द्वीप स्थित बर्था शिपिंग इंक के मालिक वरुण पुला और उनके कोमोरोस ध्वज वाले जहाज ढअटक्फ़ जिसने जुलाई 2024 से चीन को लगभग 4 मिलियन बैरल ईरानी एलपीजी का आयात किया.
- इवी लाइन्स इंक के मालिक इयप्पन राजा और पनामा-ध्वजांकित सैफायर गैस, जिसने अप्रैल 2025 से चीन को 1 मिलियन बैरल से अधिक ईरानी एलपीजी पहुंचाया है.
- सोनिया श्रेष्ठा और उनकी कंपनी वेगा स्टार शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने जनवरी 2025 से ईरानी एलपीजी को पाकिस्तान लेकर गई.

मोहम्मद अजरुद्दीन रेवंत रेड्डी सरकार के पहले मुस्लिम मिनिस्टर

एजेंसी/नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर और एमएलसी मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। आज राजभवन में उनका शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ। दरअसल, तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। इस सीट पर मुस्लिम मतदाता 30% हैं। माना जा रहा है कि अजहरुद्दीन की कैबिनेट में एंट्री से कांग्रेस को फायदा मिलेगा। अजहरुद्दीन 2023 में इसी सीट से चुनाव हार चुके हैं। वहीं, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार में अभी एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं था। इस वजह से मुस्लिम समुदाय को कैबिनेट में प्रतिनिधित्व न देने का आरोप लग रहा था। अब अजहरुद्दीन के मंत्री बनने से यह कमी पूरी हो गई है। उनके शामिल होने के बाद रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में कुल 16 मंत्री हो गए हैं, जबकि राज्य में अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं।जुबली हिल्स सीट में हर तीसरा मतदाता मुस्लिमः जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर कुल करीब 3.90 लाख मतदाता हैं। इनमें से लगभग 1.20 से 1.40 लाख मतदाता मुस्लिम समुदाय से हैं। यानी यहां करीब 30% वोट मुस्लिमों के हैं। यही वजह है कि इस इलाके में मुस्लिम मतदाता चुनाव नतीजे तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। जिस भी पार्टी को मुस्लिम वोट मिलते हैं, उसकी जीत की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए कांग्रेस ने अजहरुद्दीन को मंत्री बनाकर इस समुदाय में अपना भरोसा मजबूत करने की कोशिश की है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल की जयंती पर हुआ कार्यक्रम

पूर्ण कश्मीर का विलय चाहते थे लौह पुरूष : पीएम मोदी

एजेंसी/नई दिल्ली

पीएम मोदी ने कहा कि सरदार साहब चाहते थे कि जैसे उन्होंने बाकी रियासतों का विलय किया गया है। वैसे ही पूर्ण कश्मीर का विलय हो। लेकिन, पंडित नेहरू ने उनकी वो इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर को अलग संविधान और अलग निशान से बांट दिया गया। कश्मीर पर कांग्रेस ने जो गलती की थी, उसकी आग में देश दशकों तक जलता रहा। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती है। गुजरात स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गणतंत्र दिवस की तर्ज पर आयोजित हुआ है, जिसमें सांस्कृतिक परेड, राज्यों की झांकियां निकाली गई। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद रहे। इस बीच उन्होंने सलामी ली साथ ही राष्ट्रीय एकता दिवसश परेड में अर्ध सैनिक बलों की टुकड़ियां के साथ-साथ असम, त्रिपुरा, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, केरल, आंध्र प्रदेश राज्यों के पुलिस बल भी शामिल दिखे। बता दे की भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज पूरा कृतज्ञ राष्ट्र नमन कर रहा है। आज के दिन यानी 31 अक्तूबर को पूरा देश राष्ट्रीय एकता दिवस मना रहा है। राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के दौरान एक सांस्कृतिक उत्सव भी होगा। साथ ही सुरक्षा बल राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में भाग लेंगे। इस दौरान उनके कौशल, अनुशासन और वीरता का प्रदर्शन किया जाएगा।परेड में सीआरपीएफ के पांच शौर्य चक्र विजेताओं और बीएसएफ के 16 वीरता पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने झारखंड में नक्सल विरोधी अभियानों और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों में असाधारण साहस का परिचय दिया। राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में एनएसजी, एनडीआरएफ, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मणिपुर, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और पुडुचेरी की 10 झांकियां शामिल होंगी, जो शिवविधता में एकताश विषय पर आधारित होंगी। 900 कलाकारों द्वारा प्रस्तुत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारत के शास्त्रीय नृत्यों का प्रदर्शन किया जाएगा, जो भारतीय संस्कृति की समृद्धि और विविधता को दशार्ता है।

चलेगा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

भारत पर्व हर वर्ष आयोजित होने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम हैय जो भारत की विभिन्न सांस्कृतिक विरासत, खाद्य परंपरा एवं कलात्मक कौशल्य को दशार्ता है तथा राष्ट्रीय एकता व सामूहिक गौरव का संदेश देता है। इस बार का भारत पर्व भारत की विविधता, एकता व शक्ति का उत्सव मनाने वाले एक भव्य उत्सव-समारोह के रूप में एक आइकॉनिक पर्यटन स्थल स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में हो रहा है। विभिन्न राज्य सरकारों तथा केन्द्र सरकार के जन प्रतिनिधि, साथ ही विख्यात कलाकार, कारीगर तथा विशेष अतिथि इस 15 दिवसीय उत्सव के विभिन्न दिनों में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

सरदार साहब की नीतियों पर चले

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार साहब ने देश की संप्रभुता को सबसे ऊपर रखा लेकिन दुर्भाग्य से सरदार साहब के निधन के बाद के वर्षों में देश की संप्रभुता को लेकर तब की सरकारों में उतनी गंभीरता नहीं रही। एक ओर कश्मीर में हुई गलतियां, दूसरी ओर पूर्वोत्तर में पैदा हुई समस्याएं और देश में जगह-जगह पनपा नक्सलवाद-माओवादी आतंक, ये देश की संप्रभुता को सीधी चुनौतियां थी लेकिन उस समय की सरकारों ने सरदार साहब की नीतियों पर चलने की जगह रीढ़विहीन रवैये को चुना। इसका परिणाम देश ने हिंसा और रक्तपात के रूप में झेला। 2014 के बाद हमारी सरकार ने नक्सलवाद और माओवादी आतंक पर प्रचंड प्रहार किया।

ठाणे कोर्ट से अमेरिकी नागरिक और दो भारतीयों को मिली जमानत

- **धर्म परिवर्तन के आरोप में थे गिरफ्तार**

एजेंसी/नई दिल्ली

ठाणे जिले की एक अदालत ने एक अमेरिकी नागरिक और दो भारतीयों को जमानत दे दी है, जिन्हें इस महीने की शुरूआत में धर्म परिवर्तन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने कहा कि उन्हें जेल में रखने से कोई फायदा नहीं होगा और यह याद दिलाया कि कानून के अनुसार 'जमानत नियम है, जेल अपवाद।' अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एन. एल. काले ने भिवंडी की अदालत में सुनवाई के दौरान अमेरिकी नागरिक जेम्स लियोनार्ड वॉटसन, और स्थानीय निवासी साईंनाथ गणपति सर्पे, मनोज गोविंद कोल्हा को राहत दी। अदालत ने तीनों को 30,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी। भिवंडी तालुका पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, 3 अक्तूबर को ठाणे जिले के भुईशेत गांव में एक प्रार्थना सभा के दौरान ये तीनों लोग ईसाई धर्म के प्रचार में लगे थे और कथित रूप से हिंदू समुदाय के लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे। पुलिस का आरोप है कि उन्होंने लोगों को शराब दी और कहा कि इससे उनके दुख-दर्द दूर होंगे और बीमारियां ठीक हो जाएंगी। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि उन्होंने नाबालिग लड़कियों को जबरन शराब देने की कोशिश की। वॉटसन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने बिजनेस वीजा का दुरुपयोग करते हुए धार्मिक प्रचार किया। तीनों पर भारतीय न्याय संहिता (इठर)की संबंधित धाराओं के साथ-साथ महाराष्ट्र अंध श्रद्धा निर्मूलन और काला जादू कानून, 2013, और वॉटसन पर विदेशी नागरिक अधिनियम, 1946 के तहत आरोप लगाए गए हैं। न्यायाधीश काले ने कहा कि आरोपित अपराधों में अधिकतम सजा सात वर्ष से ज्यादा नहीं है, और अभी तक जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है कि अमेरिकी नागरिक वॉटसन ने जबरन किसी को धर्म परिवर्तन के लिए शराब पिलाई। अदालत ने यह भी माना कि अमेरिकी नागरिक वैध पासपोर्ट और

संजय राउत की बिगड़ी तबीयत समर्थकों से की अपील

एजेंसी/नई दिल्ली

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और उनका इलाज चल रहा है। उन्हें लोगों से न मिलने-जुलने की सलाह दी गई है। एक्स पर एक पोस्ट में राउत ने यह भी उम्मीद जताई कि अगले साल तक उनका स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा। उन्होंने बिना विस्तार से बताए लिखा, आप सभी ने मुझे प्यार और भरोसा दिया है। लेकिन मुझे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और मेरा इलाज चल रहा है। मैं इससे उबर जाऊंगा। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार, मुझे बाहर न निकलने और सार्वजनिक रूप से न मिलने-जुलने की सलाह दी गई है। कांग्रेस ने शुक्रवार को मुंबई पुलिस पर पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल की जासूसी करने का आरोप लगाया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने बताया कि गावदेवी पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी सर्वोदय आश्रम स्थित सपकाल के कमरे में घुसे और उनसे मीडिया की मौजूदगी और परिसर में चल रही गतिविधियों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने आगे कहा कि पुलिसकर्मी सपकाल को पहचान नहीं पाए। लोंढे ने पूछा, क्या यह जासूसी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस या (शहर के पुलिस आयुक्त) देवेन भारती के आदेश पर की जा रही है? वहीं राजस्व मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने इस आरोप को खारिज किया है।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने हर नागरिक को बताया राष्ट्ररक्षक

ऑपरेशन सिंदूर ने बदल दी युद्ध की परिभाषा

एजेंसी/नई दिल्ली

विशाखापट्टनम में आयोजित यंग लीडर्स फोरम में सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और कर्नल सोफिया कुरैशी ने युवाओं से देश की सुरक्षा और विकास में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस फोरम का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाना था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने अपने भावुक संबोधन में कहा, 'जब मेरा जन्म हुआ, मेरी मां ने कहा- तुम आजाद भारत में जन्मी हो।' मैं चाहती हूं कि हर युवा इस गर्व को महसूस करे। देश की रक्षा सिर्फ सेना की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने युद्ध की परिभाषा बदल दी है, 'इस ऑपरेशन ने साबित किया कि शांति और स्थिरता बिना युवाओं और नागरिकों की भागीदारी के संभव नहीं। भारत अब मल्टी-डोमेन प्रिसिजन वॉरफेयर, आत्मनिर्भरता, और तीनों सेनाओं के समन्वय का प्रतीक बन चुका है। कर्नल सोफिया ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा हमें सिखाती है कि राष्ट्र की रक्षा शास्त्र (ज्ञान) और शस्त्र (बल) दोनों से होती है। 'भारतीय सेना अपने सैनिकों को दोनों में सक्षम बनाती है- चाहे सात दशक पहले की लड़ाई हो या हाल का ऑपरेशन सिंदूर। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा- आप ही 'युवा शक्ति ऑफ भारत' हैं। अब युद्ध केवल बंकरों में नहीं, बल्कि बाइट्स और बैंडविड्थ के जरिए भी लड़ा जा रहा है। आप फायरपावर ही नहीं, बल्कि फायरवॉल्स में भी निपुण हैं। इस दौरान सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि पहली बार यंग लीडर्स फोरम को एक प्री-इवेंट के रूप में आयोजित किया गया है ताकि देश के युवाओं के बीच 'रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म' का संदेश फैलाया जा सके।

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:33 Page 2

एकता की दौड़ में छलका देशभक्ति का जोश

- सरदार पटेल की जयंती पर सीआईएसएफ ने आयोजित किया रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम, जवानों ने लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प

केटी न्यूज/चौसा

देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बक्सर थर्मल पावर प्लांट परिसर में सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के तत्वावधान में ह्रन फॉर यूनिटीह्व कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन

का उद्देश्य जवानों और अधिकारियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारा एवं शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ एसटीपीएल (स्टेट थर्मल पावर लिमिटेड) के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी द्वारा ह्लएकता की शपथह्व दिलाकर किया गया। इसके बाद एसजेवीएन (सतलुज जल विद्युत निगम) के अधिकारी और सीआईएसएफ के जवान जोश और उमंग के साथ दौड़ में शामिल हुए। यह दौड़ थर्मल प्लांट परिसर से अखौरीपुर गोला तक आयोजित की गई और वहां से वापस प्लांट परिसर में समाप्त हुई। पूरे रास्ते में प्रतिभागियों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर यूनिट कमांडर ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लसरदार पटेल भारत की एकता और अखंडता के सबसे बड़े शिल्पी थे। उनके अदम्य साहस, दूरदर्शिता और नेतृत्व ने आज का भारत गढ़ा है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिएह्व उन्होंने कहा कि ह्लरन फॉर यूनिटी जैसे कार्यक्रम न केवल शारीरिक स्फूर्ति का प्रतीक हैं, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता की भावना को भी सशक्त बनाते हैं। सीआईएसएफ के जवानों ने पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ इस आयोजन में भाग लिया, जबकि अधिकारी वर्ग ने दौड़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और आयोजन के सुचारू संचालन की निगरानी की। कार्यक्रम में जवानों का उत्साह देखते ही बनता था। कुछ ने सर पर तिरंगा बांधा था, तो कुछ ने ह्लजय हिंदह्व के नारे लगाते हुए दौड़ पूरी की।

एसटीपीएल प्रबंधन की ओर से बताया गया कि इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि कर्मियों में फिटनेस और देशप्रेम की भावना को प्रोत्साहन मिल सके। अधिकारियों ने कहा कि यह दौड़ केवल एक खेलकूद गतिविधि नहीं, बल्कि ह्यराष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीकह्व है।

कार्यक्रम का समापन ह्लराष्ट्रीय एकता दिवसह्व के संदेश और राष्ट्र निर्माण में सामूहिक एकजुटता के संकल्प के साथ किया गया। सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में संकल्प दोहराया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता, अखंडता और समरसता की भावना को हमेशा जीवित रखेंगे।

इस अवसर पर सीआईएसएफ के कई वरिष्ठ अधिकारी, एसजेवीएन और एसटीपीएल के कर्मचारी, स्थानीय प्रतिनिधि एवं सुरक्षा कर्मी उपस्थित थे। अंत में सभी ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और ह्लएक भारत, श्रेष्ठ भारत का नारा लगाकर कार्यक्रम का समापन किया।

मतदान केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश

ब्रह्मपुर और डुमरांव विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव तैयारियों का सचिव ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के सचिव संतोष कुमार दुबे ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से बक्सर जिले के ब्रह्मपुर (संख्या 199) एवं डुमरांव (संख्या 201) विधानसभा क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं, मतदाता सुविधा, सुरक्षा प्रबंधन तथा आयोग के निर्देशों के अनुपालन की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में सचिव श्री दुबे सबसे पहले ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के ढकाइच पहुंचे, जहां उन्होंने मतदान केंद्र संख्या 178, 179, 180 और 191 का भ्रमण किया। उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध न्यूनतम आश्वस्त सुविधाओं जैसे पेयजल, रैंप, विद्युत व्यवस्था, प्रकाश, शौचालय आदि की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी सुविधाएं मतदान दिवस से पूर्व पूरी तरह दुरुस्त एवं कार्यशील होनी चाहिए, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने मतदान केंद्रों पर

लगाए जा रहे निगरानी कैमरों की स्थिति का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रत्येक कैमरे का कोण इस प्रकार निर्धारित किया जाए कि मतदान प्रक्रिया का सम्पूर्ण दृश्य साफ-साफ दिखाई दे और निगरानी प्रभावी बनी रहे। श्री दुबे ने मतदाता पहचान पत्र वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के बाद तैयार किए गए मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) सभी पात्र मतदाताओं तक समय पर पहुंच जाने चाहिए। उन्होंने बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करें कि हर मतदाता को उसकी फोटो सहित मतदाता सूचना पर्ची (वोटर स्लिप) प्राप्त हो, जिससे मतदान के दिन पहचान में किसी प्रकार की समस्या न आए। इसके बाद सचिव दुबे ने डुमरांव विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने पुराना भोजपुर स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए वहां की चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केंद्रों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, रैंप की स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं के लिए की गई अन्य सुविधाओं का मूल्यांकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर सुगम, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण तैयार करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान दोनों विधानसभा क्षेत्रों के निवार्ची पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थानाध्यक्ष सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की मंशा है कि आगामी 6 नवम्बर को बक्सर जिले में होने वाला मतदान पूर्णतः निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी चुनाव संबंधी कार्य आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप और तय समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं।

सचिव दुबे ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है और इसमें मतदाताओं की सुविधा सर्वोपरि है। उन्होंने जिला प्रशासन से अपेक्षा की कि सभी अधिकारी समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करें।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

बारिश में भी नहीं थम रहा एनडीए प्रत्याशी के प्रचार का दौर, महिलाओं ने संभाली कमान

केटी न्यूज/डुमरांव

बारिश में भी चुनाव प्रचार का दौर नहीं थम रहा है, समर्थक भींगते हुए भी चुनाव प्रचार करने से गुरेज नहीं कर रहे है, खास यह कि इस लिस्ट में महिलाएं भी पुरूषों से कम नहीं है। इस प्रचार में महिलाओं की भागीदारी काफी दिख रही है। बारिश में भींगते प्रचार का नाजार शुक्रवार को देखने को मिला। महिलाएं ग्रुप बनाकर शहर से लेकर गांव तक घुम-घुम लोगों के दरवाजे पर जाकर उन्हें समझाते हुए एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह के पक्ष में वोट देने के लिये कह रही थी। उन्हें क्यों वोट करें, इसको भी बारीकी से समझा रही थी। इनके प्रचार करने की तरीका इतना अच्छा था कि महिला और पुरूष उनकी बातों को सुनने के लिये कुछ देर तक रूक जाते थे। प्रचार के ग्रुप में शामिल महिला, प्रभावती देवी का कहना था कि जीतने के बाद विधान सभा क्षेत्र के विकास के लिये क्या करेंगे इसे बताया जा रहा था। उन्हें यह भी बताया जा रहा था कि जिसे हमलोगों ने जीताकर भेजा उन्होंने किये गए वादा को निभाया ही नहीं। डुमरांव में इनका प्रचार का काफिला स्टेशन के टैक्सटाइल्स कॉलोनी, कमल नगर, लालगंज कड़वी, खिरौली, प्रखंड कार्यालय, महादलित बस्ती से होते हुए नया थाना स्टेशन रोड तक गया। प्रचार में उतरी महिलाओं ने बताया की अपने रूट चार्ट के तहत काम किया जा रहा है। हमलोगा छोटे, बड़े से लेकर झुंगी-झोपड़ी वाले तक जाते हैं। कुछ लोगों द्वारा पूछा गया कि बारिश में भींगते हुए आप प्रचार कर रही हैं, इस पर उनका जवाब था कि यह हमलोग देखेंगे तो फिर प्रचार क्या करेंगे।

चुनावीं मुद्दा बन सकती है डुमरांव शहर का गड्ढों से भरा स्टेशन रोड

- लगातार बारिश होने से डुमरांव के मुख्य पथ पर जमा हो गया है पानी, पूरे दिन फिसलते रहे वाहन

केटी न्यूज/डुमरांव

तीन दिनों से लगातार झमाझम बारिश ने डुमरांव शहर की सूरत ही बिगाड़ कर रख दिया है। नालियों की सही व्यवस्था नहीं होने और रोड कटिंग पानी से भर जाने के कारण स्टेशन रोड पर पानी चला आया था। रोड पर पानी चढ़ जाने के कारण जर्जर सड़क पर उभरे गड्ढों का पता नहीं चलने के कारण वाहन फंसते और पलटते रहे। यह सिलसिला शुक्रवार को पूरे दिन चलता रहा। स्टेशन रोड की स्थिति को देखते हुए शहर में यह आवाज गुंजने लगी है कि दशकों से जर्जर स्टेशन रोड को बनाने को वादा हर उम्मीदवार करते आया है, लेकिन जितने के बाद इस पर किसी ने संज्ञान नहीं लिया, जिससे स्थिति और खराब होती चली गई। मालूम हो कि डुमरांव शहर का स्टेशन रोड एनएच-120 का है, जिस पर नगर परिषद काम नहीं लगा सकता है। वही शहर के बीचोबीच से गुजरने वाली एनएच-120 की यह सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दिल हो चुकी है। लगातार बारिश होने के कारण रोड कटिंग पूरी तरह से भर गया, जिससे पानी ओवरफ्लो होकर सड़क को पार करते हुए बहने लगा, जिससे उसका पता ही नहीं चल रहा था। ऐसे में स्टेशन रोड में चलने वाले वाहन गड्ढों में फंसते रहे और पलटते रहे। ट्रेन से उतरकर घर जाने के बजाए यात्री घायल होकर अस्पताल पहुंचते रहे। मालूम हो कि स्टेशन रोड से आने के बाद शील कुटवा बस्ती, वष्णू भगवान मंदिर, लालगंज कड़वी, खिरौली, प्रखंड कार्यालय गेट, अंजान ब्रह्मबाबा, खिरौली मोड़, राज हाईस्कूल गेट, शीला सिनेमा और ट्रेनिंग स्कूल के पास रोड पर जलजमाव हो गया था। मालूम हो कि नया थाना से पश्चिमी रेलवे केबिन तक स्टेशन रोड की स्थिति अत्यंत खराब है। लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। स्कूल कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी होती है। शहर के लोग अब इसका निदान चाहते हैं, ऐसे में हर किसी के जुबान पर यह बात आती है कि शहर के विकास के लिये जो काम करेगा उसी के पक्ष में जनता जाएगी। वादा बहुत सुन चुके हैं, डुमरांव के लोग अब वादा पर वोट नहीं करेंगे, अपनी समझदारी के साथ करेंगे। गड्ढें में बाइक पलटने से गिरे विनोद भगत ने डुमरांव के निवर्तमान विधायक को कोसते हुए कहा कि विधायक सिर्फ सड़क पर खड़ा हो तस्वीर खिचावते है, लेकिन अगर वे सड़क की स्थिति पर पहले ध्यान दिए रहते तो आज यह नौबत नहीं आती।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

सशक्त मतदाता-सशक्त लोकतंत्र का संदेश, बक्सर टाउन हॉल में गूंजा

- स्वीप कार्यक्रम के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मतदाता जागरूकता को मिला नया आयाम

केटी न्यूज/बक्सर

छह नवम्बर, को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बक्सर टाउन हॉल में स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मतदाता जागरूकता की दिशा में एक प्रेरक पहल साबित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामान्य निर्वाचन प्रेक्षक के. विवेकानंदन एवं व्यय प्रेक्षक धीरज कुमार गुप्त उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी (सीनियर स्वीप

कोषांग प्रभारी), अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह, डीपीओ आईसीडीएस एवं स्वीप नोडल पदाधिकारी काविप्रिया तथा डीपीओ एसएसए चंदन द्विवेदी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता से जुड़ी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लोकनृत्य, नाटक और गीतों के माध्यम से उन्होंने लोकतंत्र की महत्ता और मतदान के अधिकार के प्रति नागरिकों को जागरूक किया। दर्शकों ने हर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि विवेकानंदन ने कहा कि ह्लहर मतदाता लोकतंत्र का प्रहरी है। एक-एक वोट लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाता है ह्व उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे न केवल स्वयं मतदान करें बल्कि दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। डीपीओ आईसीडीएस एवं स्वीप नोडल अधिकारी काविप्रिया ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

अंत में सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से ह्लसशक्त मतदाता-सशक्त लोकतंत्र की शपथ ली और आगामी चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। यह जिला स्तरीय स्वीप कार्यक्रम न केवल मनोरंजक रहा बल्कि इसने स्पष्ट संदेश दिया कि ह्लहर वोट जरूरी है, क्योंकि हर वोट लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:33 Page 3

लगातार बारिश ने बढ़ाई प्रत्याशियों की मुश्किलें, जनसंपर्क अभियान पर पड़ा असर

- सड़कों पर जलजमाव और कीचड़ से बढ़ी परेशानियां, मतदाताओं के सवालों से चिंतित उम्मीदवार
- पिछले दो दिनों में थम सा गया है जनसंपर्क अभियान, बड़े नेताओं के दौरे भी टले

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी अपने चरम पर है। नवंबर महीने के पहले सप्ताह (छह नवंबर) में होने वाले मतदान को लेकर सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए थे, लेकिन पिछले तीन दिनों से जारी लगातार बारिश ने उनके अभियान की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। बुधवार की दोपहर से ही शुरू हुई बारिश गुरुवार व शुक्रवार को भी जारी रही, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है और प्रत्याशियों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है।

लगातार बारिश के कारण सड़कों पर कीचड़ और जलजमाव की स्थिति बन गई है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक कई स्थानों पर मुख्य मार्गों पर पानी भर गया है। गड्ढों में पानी जमा होने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतें आ रही हैं। ऐसी स्थिति में प्रत्याशियों के लिए घर-घर जाकर जनसंपर्क करना मुश्किल हो गया है। कई उम्मीदवारों ने बताया कि वे नियोजित कार्यक्रमों को स्थगित करने के लिए मजबूर हो गए हैं, क्योंकि बारिश और फिसलन भरी सड़कों के कारण ग्रामीण इलाकों में पहुंचना कठिन हो गया है।

वहीं, मतदाताओं के बीच भी असंतोष की स्थिति देखने को मिल रही है। सड़कों पर जलजमाव और नालियों की समस्या पर लोग नाराजगी जता रहे हैं। कई मतदाता खुलकर कह रहे हैं कि चुनाव के समय तो नेता वोट मांगने आते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही समस्याओं पर ध्यान नहीं देते। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बार चुनाव के दौरान सड़क और नाली सुधारने के वादे किए जाते हैं, लेकिन हालात जस के तस रहते हैं।

प्रत्याशियों के लिए यह स्थिति दोहरी परेशानी लेकर आई है। एक तरफ उन्हें जनसंपर्क अभियान में अड़चन का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर लोगों के तीखे सवालों से भी निपटना पड़ रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बारिश ने इस बार के चुनावी समीकरणों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। जो प्रत्याशी विकास कार्यों के नाम पर वोट मांग रहे हैं, उन्हें खराब सड़कों और जलजमाव की समस्या का जवाब देना पड़ सकता है।

बारिश के कारण चुनावी सभाओं और नुक्कड़ मीटिंगों पर भी असर पड़ा है। कई जगहों पर तैयारियां पूरी होने के बावजूद कार्यक्रम रद्द करने पड़े हैं। पोस्टर-बैनर भीगने से प्रचार सामग्री को नुकसान पहुंचा है। सोशल मीडिया पर सक्रिय प्रत्याशी अब डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए मतदाताओं से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी बारिश ने चिंता बढ़ा दी है। मतदान केंद्रों तक पहुंचने के रास्तों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है, जिससे चुनाव आयोग को वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर, बक्सर में जारी लगातार बारिश ने चुनावी माहौल को थोड़ा ठंडा कर दिया है। प्रत्याशी जहां बारिश थमने का इंतजार कर रहे हैं, वहीं मतदाता इस मौके पर अपनी समस्याओं को खुलकर सामने रख रहे हैं। अब देखना यह है कि प्रत्याशी इस प्राकृतिक चुनौती को कैसे अवसर में बदलते हैं और मतदाताओं का विश्वास जीतने में कितने सफल होते हैं।

एनडीए सरकार ने बिहार के विकास को नई दिशा दी : जीवन कुमार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार राहुल सिंह के समर्थन में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार जनसंपर्क अभियान चलाया। पूरे क्षेत्र का माहौल चुनावी रंग में रंग गया। डुमरांव के मुख्य बाजार, स्टेशन रोड, सब्जी मंडी, बाजार मोहल्ला और गोला चौराहा इलाके में कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर मतदाताओं से तीर निशान पर वोट देने की अपील की।

जनसंपर्क अभियान का नेतृत्व करते हुए गया स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) जीवन कुमार ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में गांव से लेकर शहर तक विकास की धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि डुमरांव की जनता इस बार जात-पात की राजनीति से ऊपर उठकर विकास और स्थायित्व के पक्ष में मतदान करेगी।

एमएलसी जीवन कुमार ने कहा कि राहुल सिंह जैसे उच्च शिक्षित, युवा और ऊर्जावान प्रत्याशी के हाथों में डुमरांव का भविष्य सुरक्षित है। उनके विजयी होने से इस क्षेत्र में अधूरे विकास कार्य पूरे होंगे और नई परियोजनाओं का रास्ता खुलेगा।

जनता को बताई सरकार की योजनाएं

अभियान के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल-जीवन हर घर नल, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना और बिजली-पानी-सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास कार्यों का उल्लेख किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय, भाजपा युवा मोर्चा बिहार प्रदेश सह संयोजक दीपक यादव, नेता अभिषेक रंजन, धनंजय सिंह, चुनमुन प्रसाद वर्मा, राहुल सूर्यवंशी, शिवजी शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में जनता से अपील की।

विकास बनाम विफलता का चुनाव- शक्ति राय

भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय ने कहा कि यह चुनाव ह्लविकास बनाम विफलताह्व का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार को स्थिर सरकार और पारदर्शी प्रशासन दिया है। वहीं विपक्ष केवल झूठे वादों और जातीय समीकरणों के सहारे जनता को गुमराह करने में लगा है।

उन्होंने कहा कि इस बार डुमरांव की जनता यह तय कर चुकी है कि उसे विकास चाहिए, विफलता नहीं। राहुल सिंह के नेतृत्व में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र प्रगति की नई इबारत लिखेगा।

राहुल सिंह हैं डुमरांव की नई उम्मीद - दीपक यादव

वहीं, युवा मोर्चा के प्रांतीय नेता दीपक यादव ने कहा कि राहुल सिंह साफ-सुथरी छवि वाले युवा नेता हैं, जिन्होंने हमेशा जनता के बीच रहकर काम किया है। वे संघर्षशील और व्यवहारकुशल हैं, जो सभी वर्गों, किसान, व्यापारी, मजदूर और नौजवान की आवाज को सशक्त रूप से विधानसभा में रखेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल सिंह की जीत डुमरांव के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

अभियान के समापन पर कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ नारे लगाए

इस दौरान पूरा बाजार राष्ट्रभक्ति और विकास के नारों से गूंज उठा। भाजपा कार्यकर्ताओं की यह जनसंपर्क यात्रा पूरे दिन डुमरांव के मोहल्लों में घूमती रही, जहां लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नेताओं ने जनता से 6 नवंबर को होने वाले मतदान में तीर निशान पर बटन दबाकर एनडीए उम्मीदवार राहुल सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

देव दीपावली पर 5100 दीपों से जगमगाएगा गोला घाट, संगीतमय गंगा आरती और सांस्कृतिक

- गंगा सेवा समिति की बैठक में तय हुआ कार्यक्रम, 4 नवंबर को होगा गंगा महोत्सव, सफाई और पोधरोपण

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर का ऐतिहासिक गोला घाट इस वर्ष देव दीपावली पर श्रद्धा और प्रकाश से नहाएगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी श्री गंगा सेवा समिति, गोला घाट के तत्वावधान में भव्य गंगा महाआरती और दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति की एक बैठक वार्ड नंबर 16 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि विजय राजभर की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 5 नवंबर को संध्या 6 बजे से गोला घाट पर 5100 दीपकों से घाट को सजाया जाएगा।

इस मौके पर संगीतमय गंगा आरती का आयोजन होगा, जिसमें भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। आरती का संचालन ह्लनमामि गंगेह्व (भारत सरकार) से जुड़े प्रसिद्ध गंगासेवी और रंगकर्मी सतीश श्रीवास्तव ह्लमनमीतह्व तथा पंडित भारती शास्त्री द्वारा किया जाएगा। ये दोनों परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित हैं।

समिति ने घाट को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों और आकर्षक रंगोलियों से सजाने की तैयारी शुरू कर दी है। गंगा आरती के बाद सभी भक्तों और श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान एक सांस्कृतिक संध्या सह सम्मान समारोह भी आयोजित होगा, जिसमें मां गंगा की सेवा और संरक्षण में योगदान देने वाले सेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम से एक दिन पूर्व यानी 4 नवंबर को ह्लगंगा महोत्सवह्व के तहत घाट की सफाई, पौधरोपण और जल व नदी संरक्षण को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों में गंगा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल रखने के प्रति जागरूकता फैलाना है।

बैठक में भारती पांडेय, विजय राजभर, श्रवण गुप्ता, पिंटू बाबा, बिट्टू किशोर, आनंद गुप्ता, कृष्णा जायसवाल, श्रवण वर्मा, चंदन श्रीवास्तव, गुप्तेश्वर पटेल, प्रिंस केशरी, राहुल केशरी, शिवशंकर, शिवम कुमार सहित अनेक स्थानीय समाजसेवी और युवा उपस्थित रहे।

दुलारचंद यादव के हत्यारों को पकड़ कड़ी से कड़ी सजा दे सरकार : ददन पहलवान

केटी न्यूज/डुमरांव

मोकामा के राजद नेता दुलारचंद यादव की नृशंस हत्या तथा गोली मारने के बाद उन्हें थार से रौंदना बिहार में जंगलराज का प्रमाण है। लाल-राबड़ी में शासनकाल में कभी भी कानून व्यवस्था इस कदर बेपटरी नहीं हुई थी, जैसी कि एनडीए सरकार में हुआ है। शुक्रवार को उक्त बातें डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के बसपा प्रत्याशी ददन सिंह यादव उर्फ ददन पहलवान ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि दुलारचंद यादव को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वे राजद के मजबूत नेता के साथ ही अच्छे इंसान थे। उन्होंने दुलारचंद के

हत्यारों को पकड़ कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने के पांच साल तक जंगलराज की संज्ञा नहीं दी गई थी, बाद में यादवों को बदनाम करने तथा लालू यादव को सत्ता से दूर रखने के लिए ही जंगलराज का नामकरण किया गया। जबकि आज हर दिन हत्याएं हो रही है। बिहार का कोई कोना अपराध से अछूता नहीं है, बावजूद हर बार राजद की सरकार को ही जंगलराज की संज्ञा देकर बदनाम किया जा रहा है। ददन ने कहा कि मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा, बल्कि मौका मिला तो अपराधियों, गुंडो व नक्सलियों को सलाखों के पीछे भिजवाउंगा। ददन ने कहा कि यदि मुझे डुमरांव की जनता ने मौका मिला तथा सरकार में हमलोग शामिल हुए तो बिहार से गुडागर्दी, दहशतगर्दी को मिटाकर रहूंगा। उन्होंने डुमरांव विधायक को निशाने पर लेते हुए कहा कि माले ने कई नरसंहार कराए है, जिनमें यादवों की हत्या भी हुई है। उन्होंने कहा कि जब मैं विधायक था तो डुमरांव में शांति थी तथा गुंडा तत्व व नक्सली सभी जमींदोज हो गए थे। उन्होंने कहा कि निवर्तमान विधायक से डुमरांव की जनता त्रस्त हो चुकी है तथा ददन यादव को समर्थन दे रही है। ददन ने वर्तमान के राजनैतिक दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि संविधान व लोकतंत्र की बात करने वाली राजनैतिक पार्टियां टिकट बेच रही है तथा अपराधियों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद मैं दुलारचंद के घर जाउंगा, उनके स्वजनों से बातचीत कर घटना की विस्तृत जानकारी लूंगा तथा दोषियों को सजा दिलवाने के लिए सड़क पर उतर आंदोलन से भी गुरेज नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि आज बिहार में यादवों को टारगेट किया जा रहा है। उनकी हत्याएं हो रही है। इसे ददन यादव कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

एक नजर

एक ही रात पांच गुमटियों का ताला तोड़, हजारों के सामग्री उड़ाए

बक्सर । मुफस्सिल थाना के यादव मोड़ के पास गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने एक साथ पांच गुमटियों का ताला तोड़ नगद समेत हजारों के सामान ले उड़े। इसकी जानकारी दुकानदारों को सुबह में हुई। इसके बाद पीड़ित दुकानदारों ने थाने को अज्ञात चोरों के खिलाफ आवेदन दिए गए। आवेदन मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार आसपास के गांव के रहने वाले कामता प्रसाद, उपेंद्र राम, नित्यानन्द प्रसाद, राजू कुमार, लालचंद साह रोजी-रोटी को ले यादव मोड़ पर गुमटियां लगा चाय-पान, जनरल स्टोर, मिठाई आदि की दुकान कर जीविका करते है। गुरुवार को प्रतिदिन की तरह शाम को अपनी दुकान बंद कर घर आ गए। वही मौसम खराब होने से पूरी रात तेज बारिस हो रही थी। रात्रि में कुछ अज्ञात चोरों द्वारा एक साथ पांच गुमटियों को तोड़ रखे हजारों के सामान के कुछ नगद रुपये उड़ा लिए और आसानी से चम्पत हो गए। सुबह दुकान खोलने दुकानदार यादव मोड़ पहुंचे तो बिखरे समान व टूटी गुमटियों को देख छक्के-बक्के हो गए। उन्हें समझ हो गया। उनकी दुकान को चोरों ने तोड़-फोड़ कर दी। इस घटना की सूचना थाने को दी गई। थाना पहुंच घटना की जांच की गई। वही पीड़ितों द्वारा थाने को आवेदन दिया गया। इस सम्बंध में पुलिस से पूछने पर बताया कि आवेदन मिला है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नया भोजपुर पुलिस ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान, वसूले 1.23 लाख

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को प्रतापसागर के समीप एनएच 922 पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने दुपहिया व चारपहिया वाहनों की विधिवत तलाशी ली। पुलिस की नजर मादक पदार्थ, शराब, नगदी के अलावे हथियारों पर भी था। हालांकि, इस दौरान पुलिस को कुछ आपत्तिजनक सामान नहीं मिला, लेकिन विभिन्न वहानों से पुलिस ने 1.23 लाख रूपए का जुमार्ना लगाया था। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि यह वाहन चेकिंग अभियान आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उदेश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण व भयमुक्त माहौल में संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन सख्त, सभी लाइसेंसी हथियार आज ही जमा करने का आदेश

बक्सर। आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। इसी क्रम में जिला शस्त्र दंडाधिकारी, बक्सर के आदेशानुसार सभी लाइसेंसी शस्त्रधारकों को अपने हथियार संबंधित थाने या शस्त्रागार में आज ही जमा कराने का निर्देश जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, भारत सरकार के निर्देश के अनुपालन में की जा रही है। निर्वाचन अवधि में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी अनुज्ञप्तिधारियों से तत्काल हथियार जमा कराने को कहा गया है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि जो व्यक्ति इस निर्देश का पालन नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अनुज्ञप्तिधारी का लाइसेंस रद्द करने तक की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के इस महापर्व में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने में सहयोग करें। साथ ही, सभी शस्त्रधारी नागरिकों से समयसीमा के भीतर अपना हथियार थाने या शस्त्रागार में जमा कर कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करने की अपेक्षा की गई है। सूत्रों के अनुसार, जिले के सभी थानों को निर्देशित किया गया है कि वे जमा किए गए हथियारों की सूची तैयार कर उसकी रिपोर्ट जिला शस्त्र शाखा को उपलब्ध कराएं। प्रशासन ने यह भी कहा है कि निर्वाचन संपन्न होने के बाद विधि-सम्मत प्रक्रिया के तहत शस्त्र वापस कर दिए जाएंगे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर,1 नवंबर 2025

website:keshavtimes.com

e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय? - कबीर

उपभोक्ताओं मे कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय स्थिति रिपोर्ट 2024 प्रकाशित हुई है, उसके अनुसार भारत का घरेलू ऋण जीडीपी के 42 फीसदी पर पहुंच गया है। 2015 में यह ऋण मात्र 26 फीसदी था। प्रति व्यक्ति कर्ज तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। कर्ज के मुकाबले लोगों की आय में इजाफा नहीं हो रहा है। 2023 में प्रति व्यक्ति कर्ज भारत में 3.9 लाख रुपए था, जो मार्च 2025 में बढ़कर 4.8 लाख रुपए हो चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए यह चिंता का सबसे बड़ा विषय बन गया है। भारत में जो ऋण दिया जा रहा है, उसमें 55 फीसदी हिस्सा रिटेल लोन का है। इसमें रिटेल लोन, क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन, ऑटो लोन और गोल्ड लोन का है। इसमें आवास ऋण और दूसरे लोन शामिल नहीं है। आवास ऋण लगातार घटता चला जा रहा है। इसका मतलब है, लोगों के पास अब घर खरीदने के लिए मार्जिन मनी देने के लिए भी पैसे नहीं हैं। भारतीयों की बचत लगातार कम या खत्म होती चली जा रही है। अब बच्चों की शिक्षा, शादी-ब्याह में खर्च करने के लिए लोगों को ऋण लेना पड़ रहा है। जरूरी चीजों में खर्च करने के लिए अब भारतीय लोगों के पास बचत के रूप में पैसा नहीं है, जिसके कारण स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। भारत सरकार यह मानकर चलती है कि ऑस्ट्रेलिया कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में जीडीपी के अनुपात में भारत का कर्ज अभी भी कम है। अमेरिका में जीडीपी का 75 फीसदी तथा चीन के ऊपर 63 फीसदी कर्ज है। भारत में अभी यह कर्ज 42 फीसदी पर पहुंचा है, लेकिन सबसे बड़ी चिंता की बात भारत के लिए यह है, कि उन देशों की तुलना में भारत की प्रति व्यक्ति आय बहुत कम है। भारत में जीडीपी की तुलना में 42 फीसदी कर्ज होने के बाद अर्थव्यवस्था उलटी दिशा में चलने लगी है, क्योंकि यहां लोगों के पास बुनियादी जरूरत के लिए भी पैसा उपलब्ध नहीं है। समस्या कर्ज लेने की नहीं है, असल समस्या कर्ज का उपयोग किस रूप में किया जा रहा है इसको लेकर है। भारत में नागरिक जो कर्ज ले रहे हैं उन्हें अपने खाने-पीने और अन्य जरूरत में पूरा करना पड़ रहा है। व्यक्तिगत कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है। क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत ऋण लेने के बाद लोग वापस नहीं कर पा रहे हैं। वे अपनी बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब लोग गोल्ड गिरवी रखकर लोन लेकर अपना खर्च चला रहे हैं। ये सबसे खराब हालात हैं। सोने की बढ़ती कीमतों ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है। लोग सोने को गिरवी रखकर या बेचकर पैसा अपने खर्चे के उपयोग में ला रहे हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में महंगाई के मुकाबले लोगों की आय नहीं बढ़ी है। मजदूरों को भी रोजगार नहीं मिल रहा है। मजदूरों की मजदूरी में भी कोई वृद्धि नहीं हुई है। घरेलू बचत जीडीपी के मुकाबले 11 फीसदी से घटकर पांच फीसदी पर आ गई है। जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है। पिछले 5 वर्षों में उपभोक्ता ऋण लगातार बढ़ता चला जा रहा है। क्रेडिट कार्ड से खर्च करने वालों की संख्या 13 वर्षों में 13 गुना बढ़ चुकी है। जो वेतन भोगी हैं, वे अपने खर्च के लिए कर्ज पर डिपेंड हो गए हैं। निम्न और मध्यम आय वाले परिवार जरूरी खर्च के लिए भी कर्ज लेने के लिए मजबूर हो रहे हैं। कर्ज तो ले लेते हैं, लेकिन उसके बाद उसे चुका नहीं पा रहे हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया के इस दौर में धीरे-धीरे प्रत्येक परिवार आर्थिक संकट के दौर में पहुंचता चला जा रहा है। बैंकों में डिफाल्टर हो गया है। एनएफसी कंपनियों के सहारे लोगों ने महंगे ब्याज पर कर्ज लेकर जैसे तैसे अपना काम चला लिया है, लेकिन अब एनएफसी कंपनियों से भी लोगों को लोन नहीं मिल रहा है जिसके कारण लोगों में महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ एक जबरदस्त विद्रोह देखने को मिल रहा है। इसकी परिणति किस रूप में होगी कहना मुश्किल है। भारत सरकार के आर्थिक विशेषज्ञ दुनिया की विकसित आबादी वाले देशों से भारत की यदि तुलना करते हैं तो यह उनकी गलती है। विकसित देशों की आय भारत के मुकाबले 10 गुना ज्यादा है। लोगों के पास बचत भी ज्यादा है।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

प्रौद्योगिकी से समृद्ध भारत आज किसी का अनुयायी नही

-डॉ. जितेंद्र सिंह

भारत आज वैश्विक वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर खड़ा है। तकनीक से समृद्ध भारत आज केवल अनुयायी नहीं है, बल्कि दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। डिजिटल सशक्तिकरण से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक, आत्मनिर्भर और तकनीक-प्रधान भारत की रूपरेखा अब स्पष्ट दिख रही है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की सफलताओं से लेकर स्वच्छ भारत और वन हेल्थ जैसे अभियानों तक, देश ने यह साबित किया है कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया जा सकता है। यूपीआई क्रांति ने डिजिटल भुगतान की परिभाषा ही बदल दी है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है। भारत की जैव-अर्थव्यवस्था ने पिछले दस वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। 2014 में जहां इसका मूल्य 10 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर लगभग 165.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब बायोफ्यूल, बायोप्लास्टिक और ग्रीन केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चंद्रयान और गगनयान मिशनों ने भारत की पहचान अंतरिक्ष शक्ति संपन्न देशों में मजबूत की है, जबकि 5जी नेटवर्क की शुरूआत और डिजिटल कूटनीति ने देश के दूर-दराज इलाकों तक कनेक्टिविटी और सशक्तिकरण पहुँचाया है। भारत अब सबके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमत्ता और नवाचार का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे। चाहे वह कृषि हो, स्वास्थ्य सेवा हो या शासन व्यवस्था।देश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स का मजबूत नेटवर्क भारत की वैज्ञानिक और उद्यमशीलता की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, क्वांटम विज्ञान और तकनीक, सेमीकंडक्टर निर्माण और सटीक कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति यह दिखाती है कि भारत अब केवल दुनिया के साथ कदम नहीं मिला रहा, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने में मदद कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की कहानी है। एक ऐसा आत्मविश्वासी और दूरदर्शी भारत, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर, अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। इस प्रगति की पृष्ठभूमि में 3 से 5 नवंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होने वाला इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव एक साहसिक नया कदम है। भारत सरकार के 13 मंत्रालयों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन सिर्फ उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह सहयोग, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय रणनीति का मंच है। माननीय प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन किए जाने वाला ईएसटीआईसी 2025 देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों, नवाचारकताओं, नीति-निमार्ताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा ताकि वे नई उभरती तकनीकों के भविष्य पर विचार-विमर्श कर सकें।यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करेगा जहां कमियों की पहचान, साझेदारियां स्थापित करना और विज्ञान व प्रौद्योगिकी को भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा देना- इन सभी पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय एकजुटता मंच है, जो शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और सरकार को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता है: भारत को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना। यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक पूर्ण विकसित और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाना। ईएसटीआईसी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण 11 विषयों पर केंद्रित किया गया है। यह सम्मेलन एक ऐसा केंद्रीय मंच बनेगा जहां रणनीतिक संवाद, सहयोग और भारत की श्रेष्ठ उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह सम्मेलन नए विचारों पर मंथन, कमियों की पहचान, और नीति-निर्माण में सुधार का अवसर भी प्रदान करेगा, ताकि भारत की वैज्ञानिक प्रगति समाज की जरूरतों और वैश्विक अवसरों के साथ तालमेल में बनी रहे। मूल रूप से, ईएसटीआईसी का उद्देश्य पूरे विज्ञान तकनीक पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ना है- उन मंत्रालयों को जो नीतियाँ बनाते हैं, उन वैज्ञानिकों को जो नवाचार करते हैं,उन उद्योगों को जो विचारों को विस्तार देते हैं, और उन स्टार्टअप्स को जो बदलाव लाते हैं। यह सम्मेलन अब तक की यात्रा का सम्मान करता है और आगे के उस मार्ग को भी दशार्ता है जो भारत को सतत, समावेशी और परिवर्तनकारी विकास की ओर ले जाता है।

ग्यारह विषय, एक लक्ष्य

ईएसटीआईसी 2025 को ग्यारह प्रमुख विषयों के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है, जो मिलकर भारत की तकनीकी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को दशार्ते हैं। इन विषयों में शामिल हैं- एडवांस्ड मटेरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग- ऐसे मजबूत, हल्के और स्मार्ट पदार्थों का निर्माण जो रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग के क्षेत्र को नई शक्ति दें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता- जो जीवन को आसान बना रही है और शासन प्रणाली को अधिक स्मार्ट और समावेशी बना रही है। बायो-मैन्युफैक्चरिंग- जो टिकाऊ जैव-उत्पादों और सर्कुलर समाधानों के माध्यम से हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। ब्लू इकॉनमी- जो समुद्री संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर समृद्धि और लचीलापन बढ़ाने पर केंद्रित है। डिजिटल कम्युनिकेशन- 4 ॠ से 5ॠ और अब 6ॠकी ओर बढ़ते हुए ग्रामीण भारत को सशक्त बना रहा है और वैश्विक डिजिटल कूटनीति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण- जो मेक इन इंडिया के विजन को सिलिकॉन-आधारित वास्तविकता में बदल रहा है। उभरती कृषि तकनीकें- जो नवाचार, सटीकता और स्थिरता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं।ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु- जो नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन को दुनिया के लिए उदाहरण बना रहे हैं।स्वास्थ्य और चिकित्सा तकनीकें- जो सस्ती और सुलभ नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य समानता सुनिश्चित कर रही हैं। क्वांटम विज्ञान और तकनीक- जो सुरक्षित संचार, सेंसरिंग, कंप्यूटिंग और नए पदार्थों के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है।अंतरिक्ष तकनीक- जो नई पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है और भारत के वैज्ञानिक क्षितिज को और विस्तृत बना रही है। ये सभी विषय मिलकर भारत के समग्र नवाचार मानचित्र को दशार्ते हैं- एक ऐसा ढांचा जहां गहन विज्ञान, उद्यमिता और नीति निर्माण एक साथ मिलकर देश के विकास को नई दिशा देते हैं।

विकसित भारत 2047 की ओर

कई मायनों में, ईएसटीआईसी भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। एक ऐसा आत्मविश्वास जो ज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य है-कल्पनाशक्ति को जगाना, युवाओं को प्रेरित करना, और भविष्य के लिए नवाचार को बढ़ावा देना।

विकास की नई ऊंचाइयां छूने को तैयार मध्यप्रदेश

- जगदीश देवड़ा

मध्यप्रदेश अपनी स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है। सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं। प्रदेश के नागरिकों के लिए यह शुभ अवसर है। उत्साह और उल्लास के साथ यह अवसर प्रदेश की उपलब्धियों पर गर्व करने का है। आज उन सभी महान विभूतियों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना योगदान दिया। आज हम इस बात को दृढ़ आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश अब पूरी तरह से बदल चुका है। अब और अधिक ऊंचाइयां तय करने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश के सामने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है। भारत के अमृतकाल में मध्यप्रदेश ने भी अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना सर्वोच्च लक्ष्य है। इसे हासिल करते हुए मध्यप्रदेश स्वयं भी पूर्ण रूप से विकसित राज्य बन जाएगा। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश आज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिये तैयार है। मध्यप्रदेश अपनी युवा शक्ति के साथ आर्थिक विकास को तेज गति से आगे ले जाने की क्षमता रखता है। मध्यप्रदेश की धरा पर हर जरूरी संसाधन है जो विकास के लिए आधार स्तंभ हैं। कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न, दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य में है। आधुनिक सिंचाई की आदर्श संरचनाएं स्थापित है। बिजली की भरपूर उपलब्धता है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार और पर्याप्त औद्योगिक निवेश है। उद्योगों के लिए 1.2 लाख एकड़ से ज्यादा लैंड-बैंक है। वर्तमान में 112 से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे हैं। साथ ही 14 ग्रीन फील्ड औद्योगिक स्थलों की भी पहचान की गई है। उद्योगों के लिए सबसे जरूरी आकर्षक नीतियां मध्यप्रदेश ने बनाई है, जिससे प्रदेश में व्यवसाय करना बहुत आसान हो गया है। प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि के लिए मध्यप्रदेश विख्यात है। यहां की जमीन उपजाऊ है, जल संसाधनों की कमी नहीं है। भारत की सबसे बड़ी वन संपदा प्रदेश में उपलब्ध है। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है। वर्ष 2029 तक राज्य की जीएसडीपी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी समृद्ध हो। संपूर्ण विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को आर्थिक विकास, भौतिक अधोसंरचना, सामाजिक अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास करने होंगे। इसके लिए इसी वर्ष चार प्रमुख मिशनों को लांच किया गया है। इसका उद्देश्य गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति को सशक्त बनाना है। यह चार मिशन मध्यप्रदेश 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आधार स्तंभ साबित होंगे। मध्यप्रदेश उद्योग और सेवाओं पर आधारित अर्थव्यवस्था की संरचना और रणनीति में बदलाव की योजना बना रहा है। अगले 10 वर्षों में राज्य में उद्योग और सेवाओं में वृद्धि होगी क्योंकि निवेश और उत्पादन मध्यप्रदेश देश के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। वैश्विक स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय ग्रामीण उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने की ओर हम अग्रसर हैं। स्वदेशी की अवधारणा को मध्यप्रदेश में पल्लवित होने का एक अनुकूल वातावरण मिला है। स्वदेशी अर्थव्यवस्था को अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में हम सभी स्वदेशी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सबसे जरूरी कृषि और संबंधित क्षेत्रों के विकास करना, इसके लिए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों को मदद की जाएगी। एग्रो प्रोसेसिंग हब, कोल्ड चैन, बाजार संपर्क, उत्पादों के मूल संवर्धन को अधिकतम करते हुए एक विस्तृत रोड मैप तैयार किया जाएगा। भौतिक अधोसरंचना में सिंचाई एक बड़ा क्षेत्र है। मध्यप्रदेश की तैयारी है कि 2029 तक शुद्ध बोए गए क्षेत्र में सिंचाई का क्षेत्र 85% तक पहुंच जाए। इसी प्रकार वर्ष 2030 तक ऊर्जा क्षेत्र में 50% नवकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। ऊर्जा की वर्तमान स्थापित क्षमता 27109 मेगावाट है जिसे 2029 तक बढ़कर 60,000 मेगावाट करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जिस प्रकार से नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आ रहा है उससे यह लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाएगा। सामाजिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में सकल नामांकन दर को 2029 तक 90% और उच्च शिक्षा में 35% तक ले जाने का लक्ष्य है।

इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना को भी निरंतर मजबूत बनाने के प्रयास हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 8000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। मध्यप्रदेश खुद को एक क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है जिसमें उज्जैन मेडिसिटी जैसी पहल शामिल है। इसी प्रकार शहरों की अधोसंरचना सुधारने के लिए स्थानीय निकायों को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायत को निरंतर सक्षम बनाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास। इसे आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां छूने के लिए तैयार है। नागरिकों के सहयोग से विकास के नए लक्ष्यों को प्राप्त करना कठिन नहीं है।

दिल्ली के आकाश में कृत्रिम बारिश का शिगूफा नाकाम रहा

-मनोज कुमार अग्रवाल

दीपावली के बाद से दिल्ली में एयर क्वालिटी बहुत खराबबनी हुई है ऐसे में सरकार ने परमाणु बारिश (कृत्रिम बारिश) का समाधान करने के लिए परमाणु ऊर्जा निगम की मदद ली थी, लेकिन इसका मकसद बारिश को खत्म करना था। सरकार की ओर से इस प्रोजेक्ट में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत आई है, जबकि कानपुर के निदेशक मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि अभी हाल ही में दिल्ली में हुई क्लाउड सीडिंग प्रक्रिया पर ही करीब 60 लाख रुपए का खर्च आया। आपको बता दें दिल्ली सरकार ने मंगलवार को बढ़ते प्रदूषण स्तर से निपटने के लिए कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिशियल रेन) कराने की दिशा में दो क्लाउड सीडिंग के परीक्षण किए। इसके तहत नमक आधारित और सिल्वर आयोडाइड फ्लेयर से लैस एक विमान का उपयोग किया गया। हालांकि, मंगलवार शाम तक कानपुर और मेरठ से उड़ान भरने वाले दोनों विमानों के प्रयास असफल रहे और कहीं भी बारिश नहीं हुई। आईआईटी कानपुर के निदेशक मनीन्द्र अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली में कृत्रिम वर्षा के प्रयास पूरी तरह सफल नहीं रहे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दो उड़ानें भरी गईं- एक दोपहर में और दूसरी शाम के समय। इन उड़ानों के दौरान कुल 14 फ्लेयर दागे गए, लेकिन इसके बावजूद बारिश नहीं हुई। अग्रवाल ने कहा, ह्लविमान फ्लेयर दागने के बाद मेरठ लौट आया, लेकिन अब तक कोई वर्षा नहीं हुई है। इस लिहाज से यह प्रयास पूरी तरह सफल नहीं कहा जा सकता। आप जानते हैं कि लंबे समय से दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए विकल्प के बड़े दावे के रूप में प्रचारित किया गया है। दिल्ली में यह बहु-प्रचारित प्रयोग स्थगित करना पड़ा। बल्कि बारिश की फुहारों के बजाय राजनीतिक घमासान और सवालों की बारिश के रूप में इसकी परिणति हुई। राष्ट्रीय राजधानी के आकाश में छाये जहरीले धुएं को धोने के लिए जो करीब सवा तीन करोड़ रुपये खर्च किए गए, वे बूंदाबांदी भी नहीं नहीं ला सके। इसके बाद न केवल आसमान सूखा रहा बल्कि दिल्ली की उम्मीदें भी सूखी रहीं। इसके इतर प्रदूषण के समाधान के लिए बहुप्रचारित इस प्रयोग के असफल होने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। इसमें दो राय नहीं कि वैज्ञानिक परीक्षण तार्किकता और अनुकूल परिवेश में ही सिरे चढ़ता है। इसी तरह क्लाउड सीडिंग के लिए जरूरी अनुकूल परिस्थितियों के न होने के तथ्य को गंभीरता से नहीं लिया गया। दरअसल, कृत्रिम बारिश केवल उन्ही परिस्थितियों में फलीभूत होती है जब वातावरण में पर्याप्त नमी हो, आसमान में घने बादल छाए हों तथा हवा का रुख स्थिर बना रहे। दुनिया के कई देशों, मसलन चीन, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात में कृत्रिम बारिश के प्रयोग इसलिए सफल हो सके क्योंकि उन्होंने इस प्रयोग को सिरे चढ़ाने के लिये सही समय को चुना था। दिल्ली के शासन-प्रशासन ने इस प्रयोग को अमली जामा पहनाने से पहले इस बात को नजरअंदाज किया कि दिल्ली का आसमान शुष्क है और वातावरण में नमी की कमी है। ऐसे में पर्याप्त आर्द्रता यानी बादलों के पर्याप्त घनत्व के बिना सिल्वर आयोडाइड की लपटें बारिश पैदा नहीं कर सकतीं। ऐसा नहीं हो सकता कि इस विकल्प को सिरे चढ़ाने वाले योजनाकारों को विज्ञान की यह सीमा ज्ञात नहीं थी।

आज का राशिफल

मेष दोपहर के बाद किसी उच्चाधिकारी से वाद-विवाद की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है।

वृषभ दिन उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर किसी अधिकारी से मतभेद संभव दिख रही है।

मिथुन दिन चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। किसी प्रियजन से अलग होने का दुख मन को परेशान कर सकता है।

कर्क चंद्रमा के अनुकूल प्रभाव से व्यापार और साझेदारी में सफलता के योग बनते हुए नजर आ रहे हैं।

सिंह दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आपकी लोकप्रियता आज के दिन बढ़ती हुई दिख रही है।

कन्या आज का दिन सम्मान रहने वाला है। शनि और केतु का योग उत्तम संपत्ति प्राप्ति का संकेत दे रहा है।

तुला दिन लाभ से भरा रहने वाला है। शुक्र ग्रह के प्रभाव से सुख में आज के दिन वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज का दिन परोपकार से भरा रहेगा। दूसरों की मदद करने करने का मौका मिलेगा।

धनु दिन तनावपूर्ण रह सकता है। मंगल की स्थिति अशांति और मतभेद उत्पन्न कर सकती है।

मकर आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। किसी नई डील से लाभ प्राप्त होगा।

कुंभ दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी बड़ी सफलता का समाचार प्राप्त हो सकता है।

मीन आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। गुरु का प्रभाव करियर में प्रगति के संकेत दे रहा है।

विशेष

अब बंगाल और असम में घुसपैठियों का मामाल शुरू

केंद्र में 11 साल से भाजपा की सरकार है। जब-जब चुनाव आते हैं, उस समय धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए घुसपैठियों का मुद्दा शुरू हो जाता है। इस बार भी बिहार,असम और पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर सरकार और चुनाव आयोग को घुसपैठिया दिख रहे हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर की। एक भी घुसपैठिया नहीं मिला। इसके बाद भी बंगाल और असम में घुसपैठियों का मामला शुरू हो गया। घुसपैठियों के मामले में अब भाजपा और टीएमसी के बीच में जो टकराव देखने को मिल रहा है,वह सभी को आश्चर्यचकित करने वाला होगा।इसमें चुनाव आयोग का क्या होगा,भगवान ही मालिक है।

भाजपा को महाराष्ट्र में बैसाखी की जरूरत नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई पहुंचे। उन्होंने एनडीए के सहयोगी दलों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दे दी। महाराष्ट्र में भाजपा को अब बैसाखी की जरूरत नहीं है। भाजपा अपने दम पर स्थानीय चुनाव लड़ेगी। सहयोगी एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी को अपना रास्ता खुद ही बनाना होगा। एनडीए के सहयोगियों को समझ नहीं आ रहा है, वह करें,तो क्या करें। एनडीए गठबंधन की सरकार में शामिल हैं।स्थानीय चुनाव में कैसे आमने-सामने होकर चुनाव लड़ेंगे। लड़ेंगे तो उनकी क्या गत होगी। सरकार में रहते हुए भाजपा धोखा देगी, यह तो सहयोगियों ने सोचा भी नहीं था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1755: पुर्तगाल के लिस्बन शहर में भूकंप से साठ हजार से अधिक लोग मारे गए। 1858: ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रशासन ब्रिटिश राजशाही ने अपने हाथ में ले लिया। 1913: सैन फ्रांसिस्को में गदर आंदोलन की शुरूआत हुई। 1951: चित्तरंजन कारखाने से पहला इंजन बन कर निकला। 1952: अमरीका ने मार्शल द्वीप में हाइड्रोजन बम का प्रथम परीक्षण किया। 1954: पांडिचेरी, कारिकोल, माहे और यानोन का प्रशासन भारत सरकार के हाथ आया। 1956: दिल्ली अंडमान और निकोबार लक्ष्यद्वीप मिनीकाय और अमन दीव द्वीप भी केंद्र शासित क्षेत्र बने तथा मध्य प्रदेश की स्थापना भी हुई। 1961: हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स के विमान ने पहली उड़ान भरी। 1967: पंजाब राज्य को तोड़कर पंजाब और हरियाणा राज्य का गठन हुआ। 1971 फ्रांस के एक नृत्य घर में आग लगने से 142 लोग मारे गए।

दैनिक पंचांग

1 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.19 ब.से
चंद्र	कुंभ में	धनु	09.35 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.40 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.26 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.59 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.30 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.10 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.21 बजे से
		सिंह	00.37 बजे से
राहुकाल		कन्या	02.49 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		तुला	05.00 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 305 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 09.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 18.21 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 02.09 बजे को रात्र समाप्त।
करण गर 09.12 बजे तदनन्तर वणिज 20.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872515
जूलियन दिन 2460980.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 09
विशेष कंस वध, देवउत्थान एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:34 Page 5

संक्षिप्त समाचार

एक्शन मोड में बाबूलाल मरांडी, दो दिग्गज नेताओं को बीजेपी से निकाला

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर पूर्वी सिंहभूम के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह ने पत्र जारी कर पूर्वी सिंहभूम जिला के चार पार्टी नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पार्टी से बाहर करने की जानकारी दी है। घाटशिला उपचुनाव प्रचार में इन नेताओं का आचरण पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ पाया गया है। निष्कासित किए जाने वाले नेताओं में पूर्वी सिंहभूम के पूर्व जिलाध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती, जिला परिषद उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषारकांत और सक्रिय कार्यकर्ता सुरेश महली शामिल हैं।

इसके अलावा घाटशिला मंडल भाजपा के अध्यक्ष कौशिक कुमार को तत्काल प्रभाव से पार्टी से बाहर करने की जानकारी दी गई है। कौशिक कुमार घाटशिला उपचुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के खिलाफ प्रचार में शामिल पाए गए।

दूसरी ओर, घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। 11 नवंबर को होने वाले इस उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गुरुवार को उस समय रणनीतिक बढ़त हासिल की, जब पूर्वी सिंहभूम जिले के भाजपा के कई प्रमुख नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष झामुमो की सदस्यता ग्रहण कर ली।

इसे भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन से जुड़ी नाराजगी का सीधा परिणाम बताया जा रहा है। बाबूलाल सोरेन पूर्व सीएम चंपई सोरेन के पुत्र है। यह घटना भाजपा के लिए बड़ा झटका साबित हो रही है, क्योंकि घाटशिला सीट पर स्थानीय भाजपा नेताओं का असंतोष अब झामुमो के पक्ष में जाता दिख रहा है। झामुमो ने दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को प्रत्याशी बनाया है, जो पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। झामुमो की सदस्यता ग्रहण करने वालों में पूर्वी सिंहभूम जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, घाटशिला भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशिक सिन्हा, मुसाबनी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रों, भाजपा मीडिया प्रभारी सुरेश महाली तथा जमशेदपुर के प्रसिद्ध जंबू अखाड़ा के अध्यक्ष बंटी सिंह शामिल हैं। इन सभी ने हेमंत सोरेन के हाथों सदस्यता ली।

प्रेमिका से मिलने आये प्रेमी की हुई धुनाई, अस्पताल में भर्ती

धनबाद, एजेंसी। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के तिलैया पंचायत अंतर्गत एक गांव में गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने एक विवाहिता से मिलने आये उसके प्रेमी की जमकर पिटाई कर दी. इसके बाद उसे बरवाअड्डा पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने घायल प्रेमी को एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया है. ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार बेहराकुदर-बरोरा निवासी मनीष कुमार दास (26) का प्रेम प्रसंग उक्त गांव की दो बच्चों की मां से चल रहा था. युवक सुबह अपनी प्रेमिका से मिलने आया था. इसकी जानकारी गांव के लोगों को लगी, तो ग्रामीण एकजुट होकर महिला के घर पहुंच गये. ग्रामीणों की भीड़ देख युवक दीवार फांदकर भागने लगा. ग्रामीणों ने खदेड़कर उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई की. ग्रामीण उसे महिला से शादी कराने के लिए गांव के सामने स्थित मंदिर ले जाने लगे. ग्रामीणों का कहना था कि मनीष शादी रचाकर महिला को अपने साथ रखे. इस बीच सूचना मिलने पर बरवाअड्डा पुलिस पहुंची और युवक हिरासत में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा. दूसरी तरफ, महिला के पति ने बरवाअड्डा थाना में लिखित शिकायत की है. कहा है कि दो युवक सुबह बाइक से उनके घर पहुंचे. उनकी पत्नी से छेड़छाड़ करने लगे. पत्नी के गले से सोने की चेन व घर में रखा 20 हजार रुपये लूटकर भागने लगे. इस दौरान एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

निकाय चुनाव को लेकर मुख्यालय ने मांगी संवेदनशील बूथों की रिपोर्ट

धनबाद, एजेंसी। राज्य में नगर निगम चुनाव को लेकर प्रशासन की तैयारी तेज हो गयी है. राज्य निर्वाचन मुख्यालय ने सभी जिलों से बूथवार रिपोर्ट तलब की है, इसमें संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों का विस्तृत विवरण मांगा गया है. वहीं मतदान के लिए उपयोग किये जाने वाले भवनों की स्थिति, पहुंच मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं का ब्योरा भी मांगा गया है. यह रिपोर्ट निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है. जानकारी के अनुसार निर्वाचन मुख्यालय के निर्देशानुसार, जिले के सभी अंचलों व नगर निकायों से संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर रहे हैं. इसमें बूथों की सुरक्षा, बिजली-पानी की व्यवस्था, दिव्यांगों की सुविधा, सीसीटीवी कवरेज, भवन की मजबूती व संभावित भीड़ की स्थिति का विशेष रूप से आकलन किया जा रहा है. संवेदनशील बूथों की पहचान के लिए पिछले चुनावों के मतदान प्रतिशत, आपराधिक घटनाएं, विवादित इलाकों की रिपोर्ट और पुलिस इनपुट को भी ध्यान में रखा जा रहा है.

कालेधन को सफेद करने के लिए आईएएस विनय चौबे की पत्नी और उनके भाई के नाम पर बनाई गई थी शेल कंपनी

रांची, एजेंसी। झारखंड में शराब और जमीन घोटाले की जांच कर रहे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ा खुलासा किया है। एसीबी की जांच रिपोर्ट के अनुसार कालेधन को सफेद बनाने के लिए निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता और उनके भाई शिपिज त्रिवेदी के नाम पर कागज पर ब्रह्मास्त्र एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी बनाई गई। उक्त शेल कंपनी के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग की गई।

जांच में यह भी पता चला है कि रांची में बिना घोषित आय के 80 लाख रुपए मूल्य का आवासीय फ्लैट खरीदा गया। फ्लैट की खरीद के लिए न तो किसी बैंक ऋण का उल्लेख किया गया और न ही कोई वैध आंतरिक पूजी दिखाई गई। वित्तीय वर्ष 2015-16 की बैलेंस शीट में इस संपत्ति को दर्ज नहीं किया गया।

2017-2023 के बीच खाते में आई बड़ी रकम, लाभार्थी का विवरण नहीं: वर्ष 2017 से 2023 के बीच उक्त कंपनी के खातों में बड़ी रकम शॉर्ट टर्म एडवांस के रूप में दिखाए गए। लेकिन उक्त रकम किसने दी, उसके

लाभार्थी का कोई विवरण नहीं मिला। एसीबी को पता चला कि प्रविष्टियां फंड रूटिंग, लेयरिंग या एडजस्टमेंट एंट्रीज है। जो यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि मनी लान्ड्रिंग के चैनल के रूप में इस कंपनी का इस्तेमाल किया गया। जांच में यह भी पता चला कि कंपनी का रिजर्व व सरप्लस प्रारंभिक वर्षों में नगण्य था। लेकिन बाद में यह कई लाख रुपए तक बढ़ गया। जबकि कंपनी का किसी भी वर्ष कोई लाभ नहीं दिखाया गया। इससे यह पता चलता है कि कंपनी में बाहरी स्रोतों से धन डाला गया। उसे रिजर्व दिखाकर पूंजी वैध बनाई गई।

आवासीय संपत्ति को व्यावसायिक कार्यालय बताया, कोई शैक्षणिक कार्य नहीं मिला

एसीबी की जांच में पता चला है कि विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता और उनके भाई शिपिज त्रिवेदी ने उक्त आवासीय संपत्ति को जीएसटी रजिस्ट्रेशन में व्यावसायिक कार्यालय दिखाया। जबकि ब्रह्मास्त्र एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी का कोई भी शैक्षणिक कार्य नहीं मिला। जांच के दौरान वहां किसी भी प्रकार का शैक्षणिक या व्यावसायिक गतिविधियों के प्रमाण नहीं मिले। 2018 के बाद कंपनी की आय लगभग शून्य रही। वहां कोई स्टाफ नहीं मिला और न ही उक्त कंपनी से कोई आय मिली। इन तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि ब्रह्मास्त्र एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड का उपयोग केवल शिक्षा के नाम पर पैसे के लेन-देन को वैध दिखाने के लिए एक आवरण के रूप में किया गया।

निकाय चुनाव की तैयारी बैठक में नहीं पहुंचे प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष ने सबकी कर दी छुट्टी

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस की ओर से राज्य के सभी यूएलबी के चुनाव को लेकर तैयारियों के क्रम में गुरुवार को बुलाई गई अहम बैठक में कोई पहुंचा ही नहीं।

पार्टी ने दलगत आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद कांग्रेस कर्मियों को बड़े पैमाने पर मैदान में उतारने और जीत सुनिश्चित कराने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के आलोक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के माध्यम से गुरुवार को सभी निकाय प्रभारियों की बैठक बुलाई गई थी।

बैठक में अधिसंख्य निकायों के प्रभारी और पर्यवेक्षक पहुंचे ही नहीं। नतीजा यह रहा कि नाराज प्रदेश अध्यक्ष ने सभी को कार्यमुक्त कर जिला अध्यक्षों को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी और अब इनकी पहली बैठक तीन नवंबर को बुलाई गई है। बैठक में सभी जिला पर्यवेक्षकों एवं जिला अध्यक्षों की मौजूदगी रहेगी।

जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पाल मुंजनी ने बताया कि बैठक में प्रदेश संगठन सृजन-2025 के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में आयोजित बैठकों की अद्यतन रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों। बैठक में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों की अद्यतन स्थिति, वार्ड कमेटियों (यूएलबी) के गठन की प्रगति एवं जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठकों में विधायकों की उपस्थिति का विवरण लेकर आने के लिए कहा गया है।

800 मीटर दौड़ में नेहा और अनुपा ने मारी बाजी, शॉट पुट में कांति विजेता

रांची, एजेंसी। स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग झारखंड सरकार, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की पहल पर 3 दिवसीय आयोजित राज्य स्तरीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता का गुरुवार को मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग का निरंतर प्रयास है कि राज्य के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच मिले। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी केवल पदक जीतने के लिए नहीं, बल्कि खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए भी आगे बढ़ें। विशिष्ट अतिथि खेल निदेशक शेखर जमुआर ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले के समय में खेल को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज खेल से सम्मान, प्रतिष्ठा और करियर सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है।

गुब्बारे उड़ाकर उद्घाटन किया: इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन व गुब्बारा उड़ाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके की छात्राओं की खूबसूरत बैंड प्रस्तुति से सभी प्रभावित हुए। प्रतियोगिता में करीब 2500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों से आए हैं। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मौके पर कोषाध्यक्ष शिवेंद्र नाथ दुबे, नवीन झा, चंद्रदेव, शिवकुमार आदि शामिल थे।

चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी होगी सख्त

उपायुक्त ने जिले के 186 स्वास्थ्य केंद्रों में बायोमीट्रिक सिस्टम लगाने का दिया निर्देशकल से सदर अस्पताल के ओपीडी के चिकित्सकों को तीन बार बनानी होगी हाजिरी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और चिकित्सकों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी की व्यवस्था कड़ी कर दी है. उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर अब जिले के सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी की जायेगी. इसके लिए बायोमीट्रिक मशीन, वीडियो कॉल से जांच और परफॉर्मेंस रिपोर्टिंग जैसे कई नियम लागू किये जायेंगे. उपायुक्त के निर्देश पर कई नियम एक नवंबर से लागू हो जायेंगे. पिछले दिनों उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई स्वास्थ्य समिति की बैठक में तय किया गया है कि जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), अर्बन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (यूसीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), अर्बन प्राथमिकी स्वास्थ्य केंद्र (यूपीएचसी) और आरोग्य आयुष्मान मंदिरों में बायोमीट्रिक उपस्थिति सिस्टम लगाया जायेगा. कुल 186 स्वास्थ्य केंद्रों में इस तकनीक को लागू करने का निर्णय लिया गया है. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी अपने ड्यूटी में समय पर उपस्थित रहे और लोगों को समय पर उपचार मिले.

उपायुक्त के निर्देश पर वीडियो कॉल सेल के गठन का पहले ही आदेश हो चुका है. इस व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य विभाग के नियुक्त एक अधिकारी रैंडम आधार पर वीडियो कॉल के माध्यम से स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करेंगे. वह कॉल कर चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की रियल-टाइम की जांच करेंगे. यदि किसी स्वास्थ्य केंद्र पर अनुपस्थिति या लापरवाही पायी गयी, तो संबंधित अधिकारी और चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी.

सदर अस्पताल के चिकित्सक एक से तीन बार दर्ज करेंगे उपस्थिति: सदर अस्पताल में एक नवंबर से सभी ओपीडी चिकित्सकों को दिन में तीन बार बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करानी होगी. पहली उपस्थिति सुबह नौ बजे, दूसरी दोपहर एक बजे तथा तीसरी शाम पांच बजे दर्ज करनी होगी. यह व्यवस्था इसलिए की गयी है ताकि चिकित्सक अस्पताल में मौजूद रहे और मरीजों की सेवा में कोई बाधा नहीं आये. अगर कोई चिकित्सक निर्धारित समय पर उपस्थिति दर्ज नहीं करता है, तो उनका वेतन रोका जायेगा.

परफॉर्मेंस रिपोर्ट के आधार पर मिलेगा वेतन: जिला प्रशासन ने अब चिकित्सकों की कार्यकुशलता का मूल्यांकन भी तय किया है. नवंबर से सदर अस्पताल समेत सभी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों को अपनी मासिक परफॉर्मेंस रिपोर्ट सिविल सर्जन के माध्यम से उपायुक्त को सौंपनी होगी. रिपोर्ट में चिकित्सकों को यह विवरण देना होगा कि उन्होंने माह में कितने मरीजों को ओपीडी में देखा. इंडोर वार्ड में कितने मरीजों का इलाज किया, कितने ऑपरेशन किये और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित गतिविधियों में उनकी भागीदारी रही. रिपोर्ट की समीक्षा उपायुक्त स्तर पर की जायेगी. जिन चिकित्सकों का प्रदर्शन असंतोषजनक पाया जायेगा. उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जायेगी.

जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवा दिलाना उद्देश्य: उपायुक्त आदित्य रंजन ने पिछले दिनों हुई स्वास्थ्य समिति की बैठक में यह स्पष्ट किया कि इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य चिकित्सकों पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है. जिले के कई ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की अनुपस्थिति की शिकायतें लगातार मिल रही थीं. अब बायोमीट्रिक और वीडियो कॉलिंग निगरानी व्यवस्था लागू होने से इस पर अंकुश लगेगा.

चंद्रपुरा प्लांट से जुड़ी हैं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की यादें

बोकारो, एजेंसी। डीवीसी के चंद्रपुरा थर्मल पावर प्लांट की तीन नंबर यूनिट से भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी की यादें जुड़ी हुई हैं. सात जुलाई 1968 को इंदिरा गांधी इस यूनिट का उद्घाटन करने चंद्रपुरा आयी थीं. हवाई मार्ग से बोकारो आने के बाद रेल मार्ग से स्पेशल सैलून से चंद्रपुरा स्टेशन पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया था. उन्हें देखने व सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ उमड़ी थी. स्टेशन से आयोजन स्थल तक जाने के लिए कार की व्यवस्था की गयी थी. मगर लोगों की भीड़ को देखते हुए उन्होंने कार से जाने से मना कर दिया था. इसके बाद खुली जीप मंगायी गयी और उस पर वह सवार होकर लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर आयोजन स्थल पहुंचीं थीं. इस दौरान लोगों की कतारें किनारे खडी थी. डीवीसी गेस्ट हाउस के पास मैदान में कार्यक्रम के लिए स्टेज बनाया गया था. यूनिट के उद्घाटन के बाद उनका भाषण शुरु हुआ तो बारिश होने लगी. हजारों लोगों ने बारिश में भींग कर इंदिरा गांधी का भाषण सुना. डीवीसी की ओर से आम लोगों के लिए पंडाल नही बनाया गया था. इंदिरा गांधी को यह ठीक नहीं लगा और उन्होंने नाराजगी भी जतायी थी. मालूम हो कि इस तीन नंबर यूनिट को दो साल पहले रिटायर घोषित कर दिया गया है. इसके अलावा इंदिरा गांधी तीन अक्टूबर 1972 को बतौर प्रधानमंत्री बोकारो आयी थी. यहां उन्होंने बोकारो स्टील प्लांट की एक नंबर यूनिट के अलावा ब्लास्ट फर्नेस का उद्घाटन किया था. साथ ही एक महत्ती जनसभा को भी संबोधित किया था. गांधी परिवार के कई लोग आ चुके हैं बेरमो-पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी जहां बेरमो व बोकारो आयीं, वहीं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी गिरिडीह आये थे. इसके अलावा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी वर्ष 2005 में बेरमो के ढोरी मैदान में कांग्रेस व इंटक नेता स्व राजेंद्र प्रसाद सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने आयी थी. जबकि वर्ष 2009 के विस चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पुत्र व कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बेरमो के करगली फुटबॉल मैदान में कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र प्रसाद सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने आये थे.

बुरी हालत में हैं, खाने तक के पैसे नहीं, अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूर

रांची, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग,गिरिडीह और बोकारो जिले के मजदूरों का विदेश में फंसने का सिलसिला जारी है. झारखंड के प्रवासी मजदूरों के विदेश में फंसे होने का मामला एक बार फिर सामने आया है. इस बार झारखंड के गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग जिले के 48 प्रवासी मजदूर अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं. पिछले तीन माह से मजदूरों को कंपनी की ओर से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है. इस वजह से मजदूरों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है. वहां फंसे मजदूरों ने वीडियो संदेश में अपना दर्द साझा करते हुए कहा है, ''हम यहां बहुत बुरी हालत में हैं. कंपनी ने हमारा वेतन रोक दिया है और हमारे पास खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं. हम बस किसी तरह अपने घर वापस लौटना चाहते हैं.'' साथ ही उन्होंने बकाया वेतन के भुगतान की मांग भी की है. इस सिलसिले में प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर काम करनेवाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों के सकुशल वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक पहल करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसने वाले मजदूरों का यह कोई पहला मामला नहीं है. इससे पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर ज्यादा पैसे कमाने की लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं. काफी मशक्कत के बाद उनकी वतन वापसी कराई गई. इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं. वहीं पिछले छः महीने पूर्व साउथ अफ्रीका के नाइजर से 25 अप्रैल 2025 को बगोदर के दोंदलो पंचायत के संजय महतो, चंद्रिका महतो, राजू महतो, फलजीत महतो एवं मुंडरो के उत्तम महतो का अपहरण कर लिया गया जिसका अभी तक कुछ भी पता नहीं चल सका है. ऐसे में सरकार को मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए रोजगार की व्यवस्था करने की जरूरत है.

बिहार से आकर धनबाद के सोने-चांदी की दुकानों में कर थे डकैती की तैयारी, पुलिस ने हथियार के साथ दबोचा

धनबाद, एजेंसी। दीपावली और छठ जैसे प्रमुख पर्वों के मद्देनजर अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर धनबाद पुलिस अलर्ट मोड में है. इसी वजह से रविवार रात पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी. दरअसल एंटी क्राइम टीम ने वाहन जांच अभियान के दौरान बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के विसरा चौक के पास हथियार के साथ दो शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया.

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, रात करीब 8:45 बजे विसरा चौक की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक मोटरसाइकिल को पुलिस ने रुकने का संकेत दिया. लेकिन बाइक सवार दो युवक पुलिस को चकमा देकर भागने लगे. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर दोनों को पकड़ लिया. तलाशी में उनके पास से एक देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं. पुलिस की पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे पिछले चार-पांच दिनों से धनबाद के सोने-चांदी की दुकानों की रेकी कर रहे थे. रविवार को ज्यादातर दुकानें बंद होने के

कारण वे वारदात को अंजाम नहीं दे सके. उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि उनके साथ चार अन्य साथी भी थे, जो दूसरी बाइक से फरार हो गए.

दोनों अपराधियों के खिलाफ बिहार के कई थानों में दर्ज हैं गंभीर मामले: पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अपराधी अजय कुमार के खिलाफ बिहार के विभिन्न थानों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं. जिनमें आर्म्स एक्ट, हत्या, डकैती, चोरी और मारपीट के मामले शामिल हैं. वहीं दिलीप यादव भी मोतिहारी जिले के कई मामलों में वांछित है, जिसमें हत्या और एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे शामिल हैं.

धनबाद पुलिस फरार अपराधियों की तलाश में जुटी: धनबाद पुलिस अब फरार अपराधियों की तलाश में जुटी है और इलाके में सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है.

1 करोड़ के इनामी माओवादी विवेक सहित 8 को मार गिराने वाली टीम को मिला केंद्रीय गृहमंत्री पदक

रांची, एजेंसी। बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर 21 अप्रैल को मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी विवेक सहित आठ माओवादियों को मुठभेड़ में मार गिराने वाली पूरी टीम को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक 2025 से अलंकृत किया गया है।

पदक पाने वाली टीम में दो आईजी, दो डीआईजी, एक एसपी, एक डिप्टी कमांडेंट, दो दारोगा व छह सिपाही शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इससे संबंधित सूची जारी कर दी है।

इस वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक पाने वालों में देश के 1364 जवान व अधिकारी शामिल हैं। इनमें झारखंड के 14 अधिकारी-जवान शामिल हैं। इनके अलावा इंवेस्टिगेशन फील्ड के 93, फोरेंसिक साइंस फील्ड के नौ वैज्ञानिकों को भी यह सम्मान दिया गया है।

बोकारो के लुगु पहाड़ पर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ की यह घटना बेहद महत्वपूर्ण है। इस मुठभेड़ में मारे गए सभी आठों माओवादी कुख्यात थे, जिन्हें सटकी सूचना व बेहतर रणनीति की बदौलत सुरक्षा बलों ने मार गिराने में सफलता हासिल की थी। इसमें सुरक्षा बलों की ओर से किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था।

सुरक्षा बलों ने जिन माओवादियों को मार गिराया था, उनमें एक करोड़ का इनामी माओवादियों का सेंट्रल कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक उर्फ फुचना व नागो मांझी उर्फ करण उर्फ लेतरा, स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य व बिहार से तीन लाख का इनामी अरविंद यादव उर्फ अविनाश, दस लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य साहेबराम मांझी, सक्रिय माओवादी गंगाराम उर्फ पवन लंगड़ा, महेश, तालो दी, महेश मांझी उर्फ मोटा उर्फ डोरा तथा रंजू मांझी उर्फ संथाली शामिल थे।

आईजी अमोल वीनुकांत होमकर, आईजी डॉ. माइकल राज एस, डीआईजी इंद्रजीत महथा, डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा, एसपी मनोज स्वर्गियारी, डिप्टी कमांडेंट मिथिलेश कुमार, दारोगा जितेंद्र कुमार, दारोगा मंटू कुमार, सिपाही दीनबंधु शेखर, सिपाही पारस कुमार वर्मा, सिपाही विकास कर्मकार, सिपाही भागीरथ रजवार, सिपाही शिवनंदन हांसदा व सिपाही अजय मेहता।

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:34 Page 6

1 या 2 नवंबर कब है देवउठनी एकादशी? तिथि और महत्व

देवउठनी एकादशी हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण तिथि है, जिसे देवोत्थान एकादशी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जागते हैं और सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं। इसके अलावा एक बार फिर घरों में भी शुभ-मांगलिक कार्यों की शहनाइयां गूंजने लगती हैं।

शास्त्रों में देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह का भी विशेष महत्व माना जाता है। कहते हैं कि, देवोत्थान पर तुलसी विवाह कराने पर साधक को कन्यादान के समान फल प्राप्त होता है।

वहीं इस दिन व्रत रखने से भाग्योदय और कार्यों में मनचाहा फल भी प्राप्त होता है। परंतु इस वर्ष देवउठनी एकादशी तिथि को लेकर असमंजस बना हुआ है। ऐसे में आइए जानते हैं साल 2025 में देवउठनी एकादशी कब मनाई जाएगी।

कब मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी

पंचांग के मुताबिक कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 1 नवंबर को सुबह 9 बजकर 11 मिनट पर प्रारंभ होगी। तिथि का समापन अगले दिन यानी 2 नवंबर को सुबह 7 बजकर 31 मिनट पर है। तिथि के मुताबिक 1 नवंबर 2025 को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। ज्योतिषियों के मुताबिक, 1 नवंबर 2025 को देवउठनी एकादशी पर शाम 7 बजकर पूजा का शुभ मुहूर्त बन रहा है।

शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों के मुताबिक, 1 नवंबर 2025 को देवउठनी एकादशी पर शाम 7 बजकर पूजा का शुभ मुहूर्त बन रहा है। इसके अलावा इस समय सभी देवी-देवता शयन मुद्रा से जगेंगे। इस दिन शतभिषा नक्षत्र भी बना हुआ है, जो शाम 6 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। इस दौरान ध्रुव योग भी बना रहेगा।

करें इन चीजों का दान

अगर आप भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो देवउठनी एकादशी के दिन सुबह पूजा-अर्चना करें। इसके बाद मंदिर या गरीब लोगों में अन्न, धन और पीली चीजों का दान करें। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन इन चीजों का दान करने से धन लाभ का योग बनता है और प्रभु की कृपा से बिगड़े काम पूरे होते हैं।

प्रबोधिनी एकादशी श्री हरि को कैसे जगाएं

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से जाना जाता है। इस दिन श्रीहरि विष्णु निद्रा से जागते हैं।

कैसे करें व्रत

- देवउठनी एकादशी के दिन व्रत करने वाली महिलाएं प्रातःकाल में स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं :

'उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये।
त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम'
'उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव।
गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः'
'शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।'
इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें :

'यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि
धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र
पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः'

कार्तिक माह में कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं. कार्तिक माह में दिवाली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा जैसे कई बड़े त्योहार मनाए जाते हैं. कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की ग्यारस के दिन देवउठनी ग्यारस होती है. हिंदू परंपरा के अनुसार इस दिन से सभी शुभ कार्य, शादी, मुंडन, नामकरण संस्कार जैसे कार्य करना बेहद शुभ होता है. इस एकादशी को प्रबोधनी ग्यारस भी कहा जाता है. ये एकादशी दिवाली के 11 दिन बाद आती है.

देवउठनी एकादशी पर पढ़ें यह व्रत कथा, प्रसन्न होंगे भगवान विष्णु

आज से चतुर्मास खत्म हो रहा है। इसके साथ ही आज से देशभर में शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। मान्यता है कि देवउठनी एकादशी के दिन ही चार महीने बाद भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं और फिर से सृष्टि का कार्यभार फिर से संभाल लेते हैं। आज के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूरे विधि-विधान से खास पूजा-अर्चना की जाती है।

देवउठनी एकादशी व्रत कथा

पौराणिक मान्यता और कथाओं के मुताबिक, एक राज्य था, जहां के सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। इस दिन नगर के किसी भी व्यक्ति या पशु पक्षी को अन्न नहीं दिया जाता था। एक समय ऐसा हुआ जब किसी दूसरी जगह का एक व्यक्ति राजा के दरबार में पहुंचा और नौकरी देने की प्रार्थना करने लगा। तब राजा ने उस व्यक्ति से कहा कि नौकरी तो ठीक है, लेकिन शर्त यह है कि माह में दो दिन एकादशी व्रत के दिन अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने राजा की शर्त मांग ली और उसे नौकरी पर रख लिया गया। अगले महीने एकादशी व्रत था। उस दिन उसे अन्न नहीं मिला। उसे फलाहार की सामग्री दी गई। वह राजदरबार में पहुंचा और राजा से कहने लगा कि फलाहार से उसका पेट नहीं भरेगा। उसे अन्न चाहिए। यदि अन्न नहीं खाएगा तो उसके प्राण निकल जाएंगे। वह राजा के सामने गिड़गिड़ाने लगा। राजा ने उस व्यक्ति को नौकरी की शर्त याद दिलाई। फिर भी वह राजा से अन्न की मांग करता रहा। उसकी स्थिति को देखकर राजा ने उसे अन्न देने का आदेश दे दिया। उसे आटा, चावल और दाल मिल गया। वह पास स्थित एक नदी के तट पर पहुंचा और सबसे पहले स्नान किया। फिर भोजन तैयार करने लगा। जब खाना बन गया तो उसने भगवान से प्रार्थना की कि भोजन तैयार है, आप भोजन ग्रहण करें। उसकी प्रार्थना सुनकर भगवान विष्णु अपने चतुर्भुज स्वरूप में पीले वस्त्र धारण किए प्रकट हुए। उसने प्रभु के लिए भोजन परोसा। भगवान विष्णु अपने उस भक्त के साथ भोजन करने लगे। भोजन के बाद भगवान अपने लोक वापस और वह व्यक्ति अपने काम पर चला गया। जब अगली एकादशी आई तो उसने राजा से कहा कि उसे दोगुना अन्न दिया जाए। पहली एकादशी पर वह भूखा ही रहा क्योंकि उस दिन साथ में भगवान ने भी भोजन किया। उतने अन्न में दोनों भोजन ठीक से नहीं कर पाते हैं।

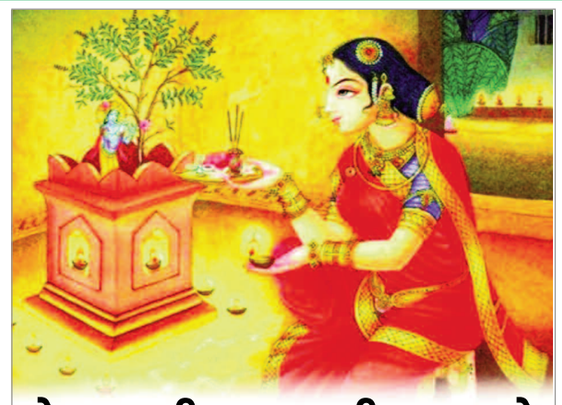

देवउठनी एकादशी पर करें मां तुलसी की विशेष पूजा

देवउठनी एकादशी का दिन अपने आप में बेहद शुभ होता है। यह साल की सबसे महत्वपूर्ण एकादशी होती है, क्योंकि इस दिन पर भगवान विष्णु अपनी योग निद्रा से जागते हैं और अपना कारभार संभालते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पावन दिन पर भक्त भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के साथ देवी तुलसी की भी पूजा करते हैं। साथ ही कठोर व्रत का पालन करते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल यह एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। वहीं, इसके अगले दिन तुलसी विवाह पर्व मनाया जाएगा। ऐसा माना जाता है कि इस तिथि पर मां तुलसी की विधिवत पूजा करने के साथ उनकी चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए। इससे सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है।

।।तुलसी चालीसा।।

दोहा

जय जय तुलसी भगवती सत्यवती सुखदानी।
नमो नमो हरि प्रेयसी श्री वृन्दा गुन खानी॥
श्री हरि शीश बिरजिनी, देहु अमर वर अम्ब।
जनहित हे वृन्दावनी अब न करहु विलम्ब॥

॥ चौपाई ॥

धन्य धन्य श्री तुलसी माता। महिमा अगम सदा श्रुति गाता॥
हरि के प्राणहु से तुम प्यारी। हरीहीं हेतु कीन्हो तप भारी॥
जब प्रसन्न है दर्शन दीन्ह्यो। तब कर जोरी विनय उस कीन्ह्यो॥
हे भगवन्त कन्त मम होहू। दीन जानी जनि छाडाहू छोहू॥
सुनी लक्ष्मी तुलसी की बानी। दीन्हो श्राप कध पर आनी॥
उस अयोग्य वर मांगन हारी। होहू विटप तुम जड़ तनु धारी॥
सुनी तुलसी हौं श्रप्यो तेहिं ठामा। करहु वास तुहू नीचन धामा॥
दियो वचन हरि तब तत्काला। सुनहु सुमुखी जनि होहू बिहाला॥
समय पाई व्हौ रौ पाती तोरा। पुजिहौ आस वचन सत मोरा॥
तब गोकुल मह गोप सुदामा। तासु भई तुलसी तू बामा॥
कृष्ण रास लीला के माही। राधे शक्यो प्रेम लखी नाही॥
दियो श्राप तुलसिह तत्काला। नर लोकही तुम जन्महु बाला॥
यो गोप वह दानव राजा। शङ्ख चुड नामक शिर ताजा॥
तुलसी भई तासु की नारी। परम सती गुण रूप अगारी॥
अस द्वै कल्प बीत जब गयऊ। कल्प तृतीय जन्म तब भयऊ॥
वृन्दा नाम भयो तुलसी को। असुर जलन्धर नाम पति को॥
करि अति द्वन्द अतुल बलधामा। लीन्हा शंकर से संग्राम॥
जब निज सैन्य सहित शिव हारे। मरही न तब हर हरिही पुकारे॥
पतिव्रता वृन्दा थी नारी। कोऊ न सके पतिहि संहारी॥
तब जलन्धर ही भेष बनाई। वृन्दा ढिग हरि पहुच्यो जाई॥
शिव हित लही करि कपट प्रसंगा। कियो सतीत्व धर्म तोही भंगा॥
भयो जलन्धर कर संहारा। सुनी उर शोक उपारा॥
तिही क्षण दियो कपट हरि टारी। लखी वृन्दा दुःख गिरा उचारी॥
जलन्धर जस हत्यो अभीता। सोई रावन तस हरिही सीता॥
अस प्रस्तर सम हृदय तुम्हारा। धर्म खण्डी मम पतिहि संहारा॥
यही कारण लही श्राप हमारा। होवे तनु पाषाण तुम्हारा॥
सुनी हरि तुरतहि वचन उचारे। दियो श्राप बिना विचारे॥
लख्यो न निज करतूती पति को। छलन चह्यो जब पार्वती को॥
जड़मति तुहु अस हो जड़रूपा। जग मह तुलसी विटप अनूपा॥
धग्व रूप हम शालिग्रामा। नदी गण्डकी बीच ललामा॥
जो तुलसी दल हमही चढ़ इहैं। सब सुख भोगी परम पद पइहै॥
बिनु तुलसी हरि जलत शरीरा। अतिशय उठत शीश उर पीरा॥
जो तुलसी दल हरि शिर धारत। सो सहस्त्र घट अमृत डारत॥
तुलसी हरि मन रञ्जनी हारी। रोग दोष दुःख भंजनी हारी॥
प्रेम सहित हरि भजन निरन्तर। तुलसी राधा मंज नाही अन्तर॥
व्यन्जन हो छप्पनहु प्रकारा। बिनु तुलसी दल न हरीहि प्यारा॥
सकल तीर्थ तुलसी तरु छाही। लहत मुक्ति जन संशय नाही॥
कवि सुन्दर इक हरि गुण गावत। तुलसिहि निकट सहसगुण पावत॥
बसत निकट दुर्बासा धामा। जो प्रयास ते पूर्व ललामा॥
पाठ करहि जो नित नर नारी। होही सुख भाषहि त्रिपुरारी॥

॥ दोहा ॥

तुलसी चालीसा पढ़ही तुलसी तरु ग्रह धारी।
दीपदान करि पुत्र फल पावही बन्ध्यहु नारी॥
सकल दुःख दरिद्र हरि हार ह्वै परम प्रसन्न।
आशिय धन जन लड़हि ग्रह बसही पूर्णा अन्न॥
लाही अभिमत फल जगत मह लाही पूर्ण सब काम।
जेई दल अर्पही तुलसी तंह सहस बसही हरीराम॥
तुलसी महिमा नाम लख तुलसी सूत सुखराम।
मानस चालीस रच्यो जग महं तुलसीदास॥

देवउठनी एकादशी पर तुलसी के साथ शालिग्राम का विवाह

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी, श्री हरि प्रबोधिनी एकादशी और देवोत्थान एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन तुलसीजी का शालिग्राम के साथ विवाह करने की परंपरा भी प्रचलित है। शालिग्राम एक पत्थर होता है जो कि नेपाल के मुक्तिनाथ, काली गंडकी नदी के तट पर ही पाया जाता है।

- हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप और माता तुलसी का विवाह किया जाता है। तुलसी विवाह के साथ ही विवाह के शुभ मुहूर्त भी शुरू हो जाते हैं। इस दिन से शुभ या मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं।
- प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीहरि योग निद्रा से जागने के बाद सर्वप्रथम माता तुलसी की पुकार ही सुनते हैं। शालिग्राम के साथ तुलसी का आध्यात्मिक विवाह देव उठनी एकादशी को होता है। इस दिन तुलसी की पूजा का महत्व है।
- तुलसी दल अकाल मृत्यु से बचाता है तो शालीग्राम और तुलसी की पूजा से पितृदोष का शमन होता है।
- प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह कराने वालों पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा बनी रहती है।
- कहते हैं कि शालिग्राम के साथ तुलसी विवाह से कन्यादान जितना पुण्य कार्य माना जाता है।
- भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विवाह कराने से वैवाहिक जीवन सुखमय व्यतीत होता है।
- महिलाएं सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत और पूजन करती हैं।
- इस दिन देवउठनी एकादशी की पौराणिक कथा का श्रावण या वाचन करना चाहिए। कथा सुनने या कहने से पुण्य की प्राप्ति होती है।
- कहते हैं कि देवोत्थान एकादशी का व्रत करने से हजार अश्वमेघ एवं सौ राजसूय यज्ञ का फल मिलता है।
- देवउठनी या प्रबोधिनी एकादशी का व्रत करने से भाग्य जाग्रत होता है। इस दिन भगवान विष्णु या अपने इष्ट-देव की उपासना करना चाहिए। इस दिन ''ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ''मंत्र का जाप करने से लाभ मिलता है।

देवउठनी एकादशी का महत्व क्या है?

देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु 4 माह की योग निंद्रा से बाहर आते हैं. उसके बाद वे फिर से सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव से प्राप्त करते हैं. कहा जाता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान पाताल लोक को छोड़कर वापस अपने वैकुंठ धाम वापस आ जाते हैं. असुरराज बलि को दिए वचन के अनुसार, भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक पाताल लोक में रहते हैं.

देवउठनी एकादशी पर चातुर्मास का समापन

देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास का समापन हो जाता है क्योंकि भगवान विष्णु योग निद्रा से बाहर आ जाते हैं. उस दिन से विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं. उस दिन से इनके लिए शुभ मुहूर्त देखे जाने लगते हैं.

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:34 Page 7

व्हिस्की बनाने वाली कंपनी के मुनाफे में 36 प्रतिशत की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंज नामक ब्रांड की मशहूर व्हिस्की बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरों में आज 31 अक्टूबर को 6 प्रतिशत से अधिक की जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। इसका कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजे थे। कंपनी का शेयर भाव बीएसई पर 6.89 प्रतिशत चढ़कर 1489 रुपये के दिन के उच्चस्तर पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। हालांकि, पिछले एक साल में इस शेयर का प्रदर्शन सपाट रहा है, लेकिन इस साल अब तक डिएजियो के नियंत्रण वाली इस शराब निर्माता कंपनी के शेयरों में 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी ने जुलाई-सितंबर की तिमाही में 464 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 341 करोड़ रुपये था। यह साल दर साल 36 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है। कंपनी का रेवेन्यू ऑपरेशन सितंबर तिमाही में 7,199 करोड़ रुपये रहा, जो पिछली साल की इसी तिमाही के 6,672 करोड़ रुपये के मुकाबले 7.9 प्रतिशत ज्यादा है। रूप में जाना जाने वाला परिचालन लाभ 660 करोड़ रुपये रहा, जो अकेले व्यवसाय की वजह से 31.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और कंपनी के मजबूत परिचालन प्रदर्शन को दिखाता है। घरेलू ब्रोक्रेज फर्म नुवामा रिसर्च का कहना है कि कंपनी के नतीजे हर मोर्चे पर बेहतर रहे। इस ग्रोथ की वजह आंध्र में कंपनी का फिर से प्रवेश, अनुकूल आधार वर्ष और उसके नवीनीकरण व इनोवेशन हैं। दलाल ने कंपनी के शेयर पर खरीद की सिफारिश बरकरार रखी है, हालांकि, वह आगे की जानकारी के बाद अपने लक्ष्य का पुनर्मूल्यांकन करेगा। वहीं, तकनीकी चार्ट्स पर लक्ष्मीश्री के अनुशील जैन के मुताबिक, यूनाइटेड स्पिरिट्स का शेयर 67 दिनों के 1,364 रुपये के कंसॉलिडेशन से बाहर निकला है, जो मोमेंटम में मजबूत बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि यह उछाल 50-दिन के औसत की तुलना में वॉल्यूम में 500 प्रतिशत की वृद्धि से स्पष्ट हो रहा है, जो संस्थागत भागीदारी का संकेतक है।

सरकारी कंपनियां अमेरिका और अबूधाबी से खरीद रही कच्चा तेल

● रूसी तेल प्रतिबंधों के बीच बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां अब रूस के बजाय अमेरिका और अबुधाबी से कच्चा तेल खरीदने पर जो दे रही हैं। इंडियन ऑयल अमेरिका से और तेल की मांग कर रही है। मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स (एमआरपीएल) ने भी अबू धाबी से कच्चा तेल खरीदा है।उद्योग सूत्रों के अनुसार, पिछले हफ्ते अमेरिका ने रूस के दो शीर्ष उत्पादकों पर प्रतिबंध दिया था। इससे कई घरेलू कंपनियों ने रूसी तेल के लिए नए ऑर्डर रोक दिए हैं।

सूत्रों ने बताया, घरेलू सरकारी कंपनियां अब रूस के बजाय और कुछ विकल्प के लिए हाजिर बाजार का रूख कर रही हैं। एमआरपीएल ने दिसंबर में रूसी आपूर्ति की भरपाई के लिए एक निविदा के जरिये ग्लेनकोर से 20 लाख बैरल अबू धाबी मुरबन

क्रूड खरीदा है। रिफाइनर हर महीने हाजिर बाजारों का इस्तेमाल करेगी और अपने स्थायी आपूर्तिकर्ताओं से अतिरिक्त आपूर्ति की मांग करेगी। प्रतिबंधों के जोखिम से बचने के लिए रूस से तेल आयात करने से कंपनियां परहेज कर रही हैं। खरीदना बंद कर दिया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने 2026 की पहली तिमाही के लिए अमेरिका से 2.4 करोड़ बैरल तेल के लिए प्रारंभिक बोलियां आमंत्रित की हैं। इस निविदा में कम सल्फर और उच्च सल्फर दोनों प्रकार के कच्चे तेल के कार्गो की मांग की गई है। इंडियन ऑयल बाजार का आकलन करने और अमेरिका से तेल खरीदने की स्थिति में विक्रेताओं का चयन करने पर विचार कर रही है।

पश्चिम अफ्रीकी तेल की भी खरीद

इंडियन ऑयल ने बुधवार को एक निविदा के जरिये एक्सॉन मोबिल से 20 लाख बैरल पश्चिम अफ्रीकी कच्चा तेल खरीदा। यह खरीद दिसंबर डिलीवरी के लिए अंगोला से मोंडो और नाइजीरिया से उटापेट के लिए थी। इस निविदा में और भी प्रस्ताव मिले थे, लेकिन ऊंची कीमतों के कारण उन्हें केवल 20 लाख बैरल ही मिले। व्यापारी रिलायंस इंडस्ट्रीज की आगे की मांग पर भी नजर रख रहे हैं, जो भारत का सबसे बड़ा रूसी तेल खरीदार रही है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया था कि भारत ने रूस से तेल की खरीद में उल्लेखनीय कमी की है। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर भारत बहुत अच्छा कर रहा है। ट्रंप ने यह टिप्पणी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में की थी।

15.3 अरब डॉलर स्वाहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर के शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट रही। इससे दुनिया के टॉप 10 रईसों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट आई। सबसे ज्यादा घाटे में मार्क जकरबर्ग रहे। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की पेरेंट मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गुरुवार को 11 फीसदी से अधिक गिरावट आई। इससे कंपनी के सीईओ जकरबर्ग की नेटवर्थ में 29.2 अरब डॉलर यानी करीब 25,88,50,70,00,000 की गिरावट आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ अब 235 अरब डॉलर रह गई है और वह अमीरों की लिस्ट में तीसरे से पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 28 अरब डॉलर की तेजी आई है।

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने गुरुवार को 15.3 अरब डॉलर गंवाए और उनकी नेटवर्थ 457 अरब डॉलर रह गई है। ओरेकल के फाउंजर लैरी एलिसन को 19.8 अरब डॉलर की चपत लगी और 317 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर जमे हुए हैं। जेफ बेजोस ने 6.6 अरब डॉलर गंवाए लेकिन लैरी पेज 5.31 अरब डॉलर का फायदा हुआ और वह अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। (246 अरब डॉलर) से कुछ ही पीछे रह गए हैं। इस लिस्ट में सर्गेई ब्रिन (228 अरब डॉलर) छठे, बर्नार्ड अरनॉल्ट (194 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बालमर (181 अरब डॉलर) आठवें, जेंसन हुआंग (176 अरब डॉलर) नौवें और माइकल डेल (165 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर है। घरेलू बाजार में गिरावट से मुकेश अंबानी (104 अरब डॉलर) और गौतम अडानी (92.7 अरब डॉलर) की नेटवर्थ में भी गिरावट आई। अंबानी की नेटवर्थ में 1.6 अरब डॉलर और अडानी की नेटवर्थ में 21.2 करोड़ डॉलर की गिरावट रही। वैसे इस साल टॉप 20 रईसों में केवल बिल गेट्स की नेटवर्थ में गिरावट आई है। इस साल वह 39.5 अरब डॉलर गंवा चुके हैं।

अब ग्राहक को बताए बिना फास्टैग अकाउंट बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्राहक को जानकारी दिए बिना कोई भी बैंक उसका फास्टैग अकाउंट या कनेक्शन नहीं काट सकेगा। यदि किसी उपयोगकर्ता को किसी भी कारण से दस्तावेज अपलोड करने में कठिनाई होती है, तो संबंधित बैंक ग्राहक से संपर्क करेगा और कनेक्शन काटने से पहले अपने वाहन को जानें (केवाईवी) प्रक्रिया पूरी करने में मदद करेगा।

ग्राहक अब अपने जारीकर्ता बैंक के साथ केवाईवी से संबंधित किसी भी समस्या के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन नंबर 1033 पर शिकायत दर्ज कराने से लेकर प्रश्न भी पूछ

सकेंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सुविधा बढ़ाने और समग्र ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के मकसद से फॉस्टटैग उपयोगकर्ताओं के लिए केवाईवी प्रक्रिया सरल बना दी है। भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) ने बृहस्पतिवार को संशोधित दिशानिर्देश जारी किए।

साइड की फोटो नहीं करनी होगी अपलोड

नए नियमों के तहत कार, जीप, वैन की साइड की फोटो अपलोड करना जरूरी नहीं होगा। अब सिर्फ नंबर प्लेट और फास्टटैग वाली सामने की तस्वीर अपलोड करनी होगी। इसके अलावा, वाहन संख्या, चेसिस संख्या या मोबाइल नंबर दर्ज करने पर वाहन से आरसी विवरण अपने आप यानी स्वचालित हो जाएगा। यदि एक ही मोबाइल नंबर पर कई वाहन पंजीकृत हैं तो ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार उस वाहन का चयन कर सकेगा जिसके लिए वह केवाईवी पूरा करना चाहता है। अब बार-बार फास्टटैग नहीं बदलने होंगे। सेवाओं को चालू रखने के लिए अब पहले से जारी फास्टैग टैग ढीले होने या दुरुपयोग की शिकायत न मिलने तक मान्य रहेंगे।

1 पर 4 शेयर बोनस दे रही कंपनी, 20 प्रतिशत चढ़ा पेनी स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन को शेयर बाजारों में आज भारी गिरावट देखने को मिली है। लेकिन एक 50 रुपये से कम की कीमत वाला स्टॉक 20 प्रतिशत चढ़ गया। शेयर बाजार में कंपनी आज एक्स-बोनस और एक्स स्टॉक स्प्लिट ट्रेड कर रही है। हम बात कर रहे हैं फिनोटेक्स केमिकल्स की। बता दें, कंपनी में दिग्गज निवेशक आशीष कचौलिया ने भी इंवेस्टमेंट किया है।

फिनोटेक्स केमिकल्स का शेयर बीएसई में 25.75 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर दिन में 20 प्रतिशत की उछाल के बाद 29.80 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया था कि एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 4 शेयर बोनस के तौर बांटा जाएगा। साथ ही फिनोटेक्स केमिकल के शेयरों का 2 हिस्सों में आज बंटवारा भी हुआ है। कंपनी एक्स-बोनस के साथ-साथ एक्स-स्प्लिट भी ट्रेड कर रही है। फिनोटेक्स केमिकल्स ने पहले ही एक्सचेंज को दी जानकारी में बता दिया था कि 31 अक्टूबर को बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट रहेगा। रिकॉर्ड डेट वह तारीख है जब कंपनी अपना रिकॉर्ड बुक देखती है। जिन निवेशकों को नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें ही बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट का फायदा होगा। बता दें, निवेशकों को रिकॉर्ड डेट से कम से कम एक दिन पहले शेयरों को खरीदना होता है।

एयरपोर्ट पर यात्रियों को उन्हीं की भाषा में मिलेगी मदद

एआई का होगा इस्तेमाल, अडानी ने एयोनोस के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने यात्रियों के लिए एयरपोर्ट पर मदद डेस्क के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने एयोनोस नाम की कंपनी के साथ एक खास डील की है। यह डील एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके यात्रियों की मदद करने के लिए है। एएएचएल अडानी एंटरप्राइसेस की सब्सिडियरी कंपनी है।

एयोनोस इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज का हिस्सा है। यह एक ऐसी एआई तकनीक लाएगी जो हिंदी और अंग्रेजी समेत कई भाषाओं में काम करेगी। यह तकनीक यात्रियों को अलग-अलग तरीकों से मदद करेगी, जैसे कि फोन पर बात करके या मैसेज के जरिए। इससे एयरपोर्ट पर मदद डेस्क का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा अच्छा हो जाएगा। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के पास देश के आठ एयरपोर्ट हैं। यह सुविधा इन सभी एयरपोर्ट पर मिलेगी। फिलहाल अडानी

कंपनी सात एयरपोर्ट का संचालन करती है। जल्द ही नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शुरू करने जा रही है।

अरुण बंसल ने कहा, एयोनोसके साथ हमारा यह साथ हमारे एयरपोर्ट्स पर यात्रियों के सफर को आसान और व्यक्तिगत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हम इन-हाउस सुविधाओं के साथ मिलकर एक ऐसा सिस्टम बना रहे हैं जो काम को और बेहतर बनाएगा, सबको शामिल करेगा और भारत में स्मार्ट, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार एयरपोर्ट्स के लिए नए मानक तय करेगा।

यह मिलेगी जानकारी

दिल्ली में गुरुवार को दोनों कंपनियों ने एक समझौते पर साइन किए। अडानी एयरपोर्ट कंपनी के सीईओ अरुण बंसल ने बताया कि इससे यात्रियों को फ्लाइट, गेट बदलने, सामान की स्थिति, दिशा-निर्देश और एयरपोर्ट की सेवाओं तक कई भाषाओं में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई एआई प्रणाली यात्री अनुभव को बदल देगी।

क्या कहा एयोनोसने?

एयोनोस के को-फाउंडर और वाइस चेयरमैन सीपी गुरनानी ने कहा, हम एएएचएल के साथ इस बदलाव वाले सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा यह साथ इस बात का सबूत है कि हम दोनों ही बेहतरीन ग्राहक अनुभव देने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल करने की सोच रखते हैं। प्रतिबद्ध हैं जो कंपनियों को डिजिटल युग की मुश्किलों से निपटने और अपने बड़े लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करें।

रूस के पास है अमेरिका से चार गुना बड़ा सोने का भंडार

केवल ऑस्ट्रेलिया दे रहा है टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत में इस साल करीब 50 प्रतिशत तेजी आई है। दुनिया के कई हिस्सों में जारी उथलपुथल के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने का रुख कर रहे हैं। साथ ही कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने पिछले कुछ सालों में सोने की जमकर खरीदारी की है। इस कारण सोने की कीमत में तेजी आई है। हाल में इसकी कीमत 4,300 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंची थी। गोल्डमैन सैश का कहना है कि अगले साल दिसंबर तक इसकी कीमत 4,900 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है।

एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में अब तक 216,265 टन सोना निकाला जा चुका है और अब खदानों में अब केवल 64,000 टन सोना रह गया है। यूक्रेन के साथ युद्ध में फंसे रूस और ऑस्ट्रेलिया के पास सबसे ज्यादा अनमाइंड गोल्ड रिजर्व है। इन दोनों देशों के पास एक बराबर 12,000 टन गोल्ड रिजर्व है जिसे अब तक निकाला नहीं गया है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका है जिसके पास 5,000 टन सोने का ज्ञात भंडार है। इंडोनेशिया में 3,800 टन और कनाडा में 3,200 टन सोने का ऐसा भंडार है जिसे अब तक निकाला नहीं गया है। चीन के पास 3,100 टन सोने का ज्ञात भंडार है। अमेरिका के सेंट्रल बैंक के पास दुनिया में सबसे ज्यादा 8,133 टन सोना है लेकिन उसकी खदानों में 3,000 टन सोना है।

पानी में सोने की खेती से 10000000 रुपये की कमाई

● ऑनलाइन विज्ञापन ने बदल दी दो दोस्तों की किस्मत ● दोनों हरियाणा की एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में काम करते थे।

नई दिल्ली, एजेंसी। दोस्त सिर्फ गांव-मोहल्ले या स्कूल-कॉलेज में ही नहीं बनते। वे किसी दुकान, फैक्ट्री, ऑफिस या बस-ट्रेन आदि में भी बन सकते हैं। कई बार यह दोस्ती उस समय ही खत्म हो जाती है जब दुकान, फैक्ट्री आदि को छोड़ दिया जाता है। लेकिन शैलेंद्र कुमार और राजेश गोस्वामी की दोस्ती कुछ अलग थी। वे दोनों हरियाणा की एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में काम करते थे। लेकिन आज दोनों कारोबार में भी साथी हैं। वे पर्ल्स फार्मिंग (मोतियों की खेती) करते हैं। आज वे अपने इस कारोबार से जबरदस्त कमाई कर रहे हैं।

फैक्ट्री की नौकरी: शैलेंद्र और राजेश सालों से फैक्ट्री में काम कर रहे थे। उनकी कमाई इतनी ही थी कि बस गुजारा हो पाता था। साल 2013 की बात है। एक दिन काम के बीच में राजेश इंटरनेट पर कुछ देख रहे थे। तभी उसकी नजर एक अनोखे विज्ञापन पर पड़ी। यह विज्ञापन था भुवनेश्वर (ओडिशा) स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फेशवॉटर एक्वाकल्चर के पर्ल फार्मिंग यानी मोती की खेती के ट्रेनिंग प्रोग्राम का। राजेश ने तुरंत शैलेंद्र को बुलाया। शैलेंद्र ने हैरानी से पूछा, मोती की खेती? ये क्या होती है? उन्होंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं सुना था। लेकिन यह आइडिया उनके मन में बैठ गया। दोनों दोस्त पैसों की आजादी का सपना देखते थे और यह मौका उन्हें अपनी किस्मत बदलने का एक रास्ता लगा।

ट्रेनिंग करने का फैसला: अपने बॉस खुद बनने के ख्याल से प्रेरित होकर, शैलेंद्र और राजेश ने इस नए काम को शुरू करने का साहस जुटाया। उन्होंने भुवनेश्वर के भुवनेश्वर में होने वाले दो दिन के ट्रेनिंग कोर्स में दाखिला लेने का फैसला किया। इस फैसले पर उनके दोस्तों और परिवार वालों ने चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि फैक्ट्री की नौकरी करते हुए खेती कैसे संभालेंगे? अगर फेल हो गए तो क्या होगा? लेकिन शैलेंद्र और राजेश के लिए लगातार

पैसों की तंगी का डर, अनजाने रास्ते पर चलने के डर से कहीं ज्यादा बड़ा था।

ट्रेनिंग में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। वहां उन्हें मोती की खेती की बारीकियों के बारे में प्रैक्टिकल जानकारी दी गई। शैलेंद्र बताते हैं, हमने सीखा कि पानी की क्वालिटी कैसी होनी चाहिए और सीपियों को पालकर मोती कैसे बनाए जाते हैं। यह सब बहुत ध्यान से करने वाला काम था। वे हर छोटी से छोटी बात को बड़े ध्यान से सीख रहे थे। उन्हें इस काम की कला और विज्ञान दोनों समझ आ रहे थे।

पानी में सोना उगाना सीखा

शैलेंद्र के लिए मोती किसी सोने से कम नहीं थी। ओडिशा से ट्रेनिंग लेकर लौटने के बाद दोनों दोस्त फैक्ट्री में काम करते रहे और साथ-साथ अपनी मोती की खेती का बिजनेस भी शुरू कर दिया। उनका प्लान सीधा था- छोटे पैमाने पर शुरुआत करो, सीखते जाओ और जो सीखा है उसे इस्तेमाल करो। शैलेंद्र के घर पर छह सीमेंट के टैंक बनाए गए। हर टैंक 10 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा था। यहीं पर उन्होंने अपनी पहली सीपियां रखीं। उन्होंने करीब 3.5 लाख रुपये का निवेश किया। इसमें अच्छी क्वालिटी की सीपियां खरीदने का खर्च भी शामिल था, जिन्हें उन्होंने ओडिशा के तटीय इलाकों से सीपीयां मंगवाई। उन्होंने खास तौर पर सुनहरे-भूरे रंग की सीपियों को चुना, क्योंकि उनसे अच्छे मोती मिलते हैं।

कितनी हो रही कमाई?: फार्म शुरू करने के एक साल बाद शैलेंद्र और राजेश ने अपनी नौकरियां छोड़ दीं और सोच-समझकर जोखिम उठाते हुए फुल-टाइम एंटरप्रेन्योर बन गए। 13 महीनों के बाद उनका मोती फार्म बहुत अच्छा चलने लगा। मोती की खेती की अपनी समझ बढ़ने के साथ ही, बिजनेस को बढ़ाना अगला कदम था। दोनों दोस्तों ने अपने काम का दायरा बढ़ाया। उन्होंने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और दमन में भी नए फार्म खोले, जिनमें एक लाख सीपियां थीं। अनजानी राह पर उनका यह कदम एक बड़े बिजनेस में बदल गया। उनके ब्रांड जय श्री पर्ल फार्मिंग के तहत उनका टर्नओवर 1 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वे अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी मोती बेचते हैं।

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:34 Page 8

पूर्व कोच ग्रेग चैपल बोले- क्रिकेट को कंट्रोल करता है भारत

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने कहा कि भारत दुनिया में क्रिकेट को कंट्रोल करता है। चैपल ने ICC के पूर्व मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड का समर्थन भी किया। जिन्होंने कहा था कि भारत अपनी पावर का इस्तेमाल कर नतीजों को अपने हक में मोड़ लेता है।

गांगुली का सस्पेंशन कम करने की मांग की थी

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए इंटरव्यू में चैपल ने कहा कि BCCI और ICC के पूर्व चीफ जगमोहन डालमिया ने उनसे गांगुली का सस्पेंशन कम करने की मांग की थी। ताकि वे श्रीलंका दौरे पर क्रिकेट खेलने जा सके। चैपल ने आगे कहा, मैंने गांगुली का सस्पेंशन कम करने के लिए मना कर दिया। मैं सिस्टम खराब नहीं करना चाहता था। गांगुली को उनका सस्पेंशन पूरा करना ही पड़ेगा। जिसके बाद डालमिया ने भी इस पर आपत्ति नहीं जताई। 2005 में टीम इंडिया को श्रीलंका जाकर ट्राई सीरीज खेलनी थी। स्क्वॉड में गांगुली को जगह नहीं मिली। जिसके बाद सौरव और चैपल के बीच विवाद की स्थिति बढ़ते चली गई।

3 साल तक भारत के कोच रहे चैपल- ऑस्ट्रेलिया के

गांगुली का सस्पेंशन कम करने के लिए कहा था

मैच रेफरी भी सवाल उठा चुके

ग्रेग चैपल 2005 से 2007 तक भारत के कोच रहे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वे गांगुली से जुड़ी बातें मीडिया में लीक करते थे। जिससे टीम में विवाद की स्थिति पैदा होने लगी थी। उनके ट्रेनिंग स्ट्रक्चर से भी टीम के प्लेयर्स खुश नहीं थे।

चैपल ने ही गांगुली को कप्तानी छोड़ने के लिए मजबूर किया था। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया 2007 के वनडे वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। जिसके बाद चैपल को इस्तीफा देना पड़ा था।

क्रिस ब्रॉड भी BCCI पर सवाल उठा चुके

चैपल से पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और ICC के मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने भी BCCI पर सवाल उठाए थे। उन्होंने द टेलीग्राफ से बात करते हुए कहा, मैच से पहले मुझे एक कॉल आया और कहा गया कि भारत पर ज्यादा सख्ती नहीं दिखानी है। थोड़ा समय दो, ताकि उन्हें ओवर रेट सुधारने का मौका मिले। मैच शुरू होने से पहले ही पॉलिटिक्स बहुत ज्यादा हावी हो गई थी। अगले मैच से पहले भी मुझे सख्ती नहीं दिखाने के लिए कहा गया। BCCI का फाइनेंशियल स्ट्रक्चर उन्हें ICC में ज्यादा कंट्रोल देता है। आज के माहौल में तो यह और भी ज्यादा बढ़ गया है।

सपना अभी साकार नहीं हुआ है

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत की हीरो जेमिमा रोड्रिग्स रहीं। रोड्रिग्स ने अपनी शतकीय पारी से भारत के फाइनल में पहुंचने की यादगार कहानी लिखी। रोड्रिग्स को उनकी नाबाद और यादगार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद जेमिमा ने कहा, सबसे पहले, मैं यीशु का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, क्योंकि मैं यह सब अकेले नहीं कर सकती थी। मुझे पता है कि उन्होंने आज मुझे इस मुश्किल दौर से निकाला। मैं अपनी मां, पिताजी, कोच और हर उस व्यक्ति का शुक्रिया अदा

करना चाहती हूं, जिन्होंने इस दौरान मुझ पर विश्वास किया। पिछले चार महीने वाकई बहुत मुश्किल रहे, लेकिन यह एक सपने जैसा लग रहा है और अभी तक पूरी तरह से साकार नहीं हुआ है। भारत को जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 339 रन का लक्ष्य दिया था। भारतीय टीम 59 पर मंधाना और शेफाली का विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आई जेमिमा रोड्रिग्स ने 134 गेंद पर 14 चौकों की मदद से नाबाद 127 रन की पारी खेली और टीम की जीत में यादगार भूमिका निभाई। रोड्रिग्स को कप्तान हरमनप्रीत कौर का भी अच्छा साथ मिला। हरमन ने 88 गेंद पर 89 रन की पारी खेली और तीसरे विकेट के लिए रोड्रिग्स के साथ 167 रन की मैच विनिंग साझेदारी की। दीप्ति शर्मा ने 24, ऋचा घोष ने 26 और अमनजोत कौर ने नाबाद 15 रन बनाए। शेफाली 10 और मंधाना 24 रन बनाकर आउट हुई थीं।

भारत के 90वें ग्रैंडमास्टर बने युवा इलमपार्थी

एआईसीएफ अध्यक्ष नारंग ने दी बधाई; आनंद ने भी सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलमपार्थी ने रिल्टन कप (2024-25) के दौरान 2500 ईएलो रेटिंग का आंकड़ा पार किया और बोस्निया में अंतिम नॉर्म ने उनके ग्रैंडमास्टर खिताब को पक्का कर दिया।

युवा शतरंज खिलाड़ी इलमपार्थी ए आर बोस्निया और हर्जेगोविना में जीएम4 बिजेलजीना 2025 शतरंज महोत्सव में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने के बाद भारत के 90वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। चेन्नई के 16 वर्षीय खिलाड़ी इलमपार्थी ने दिसंबर 2023 में वियतनाम में हनोई टूर्नामेंट में अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म और इसके बाद 2024 में सिंगापुर इंटरनेशनल ओपन में उन्होंने दूसरा नॉर्म हासिल किया। इलमपार्थी ने रिल्टन कप (2024-25) के दौरान 2500 ईएलो रेटिंग का आंकड़ा पार किया और बोस्निया में अंतिम नॉर्म ने उनके ग्रैंडमास्टर खिताब को पक्का कर दिया। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा, भारत के लिए 90वां ग्रैंडमास्टर। देश के 90वें ग्रैंडमास्टर बनने के लिए सभी जरूरी योग्यता पूरी करने पर इलमपार्थी ए आर को बधाई। आपको और भी कई उपलब्धियां और देश को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने एक्स पर लिखा, इलमपार्थी को ग्रैंडमास्टर के रूप में घोषित करते हुए खुशी हो रही है। वह कुछ मौकों पर खिताब से चूक गए थे, लेकिन हर बार उन्होंने वापसी की और कड़ी मेहनत की।

कोपा डेल रे **एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया**

लेवांटे ने भी जीता मुकाबला

मैड्रिड, एजेंसी। कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों के तीसरे दिन कोई बड़ा उलटफेर देखने को नहीं मिला। एक ओर एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, तो दूसरी तरफ लेवांटे ने जीत दर्ज की। एस्पेनयोल ने स्पेनिश खेल के चौथे टियर में खेलने वाली एटलेटिक लिडा के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। इस टीम के लिए दोनों गोल किके गार्सिया ने दागे। किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन शीर्ष स्तर की टीम को अंतिम मिनटों में तनावभरे पलों का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में लेवांटे ने चौथे टियर के ओरिहुएला के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की। यह 7 गोल वाला एक रोमांचक मैच रहा। उनाई

एल्गे जाबल और जोस ल ु इ स मोरालेस के गोल ने 11 मिनट में ही लेवांटे को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया था। शीर्ष स्तर की टीम के लिए यह मुकाबला आसान लग रहा था, लेकिन इसी बीच जेवियर सोल्सोना की पेनाल्टी ने ओरिहुएला को मैच में वापस ला दिया। कार्लोस एस्पी ने 48वें मिनट में गोल दागते हुए लेवांटे को फिर से 2 गोल की बढ़त दिलाई, लेकिन गोंजालो मिरांडे ने तीन मिनट बाद ही लेवांटे की बढ़त फिर से कम कर दी। हेक्टर अयोडेले ने आखिरी मिनट में गोल दागते हुए स्कोर 3-3 पर पहुंचा दिया, लेकिन एस्पी ने 92वें मिनट में विजयी गोल करके लेवांटे को जीत दिलाई। वहीं, सेल्टा विगो ने कमजोर प्यूर्टो डी वेगा को 2-0 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7-1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

ऋषभ पंत ने अनऑफिशियल टेस्ट से वापसी की

- **पहले दिन साउथ अफ्रीका ए- 299/9, तीन प्लेयर्स की फिफ्टी**

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और भारत की ए टीमों के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट खेला जा रहा है। ऋषभ पंत इस मुकाबले से वापसी कर रहे हैं। पहले दिन स्टंप्स तक साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट खोकर 299 रन बना लिए। मेहमान टीम से जॉर्डन हरमन, जुबैर हम्जा और रुबिन हरमन ने फिफ्टी लगाई। भारत के लिए ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान ने 4 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल शुक्रवार सुबह 9.30 बजे से शुरू होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ इंजर्ड हुए थे पंत

ऋषभ पंत इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले में बैटिंग के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में क्रिस

वोक्स की बॉल पंत के पैर पर लगी थी। जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। हालांकि, वे फिर बैटिंग करने लौटे और फिफ्टी लगाकर भारत को 350 के पार पहुंचाया था।

बैटिंग के बाद पंत की जांच हुई। इसमें उनके पैर में फ्रैक्चर सामने आया, जिस कारण वे सीरीज का आखिरी टेस्ट और भारत के बाकी मुकाबले नहीं खेल सके। उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी। पंत ने अब 3 महीने बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट से वापसी की।

टॉप ऑर्डर में 2 प्लेयर्स की फिफ्टी

बेंगलुरु में इंडिया-ए के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। साउथ अफ्रीका ने चौथे ओवर में लीसेगो सेनोक्वाने का विकेट गंवाया, वे खाता भी नहीं खोल सके। जॉर्डन हरमन ने फिर जुबैर हम्जा के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। जॉर्डन 71 और हम्जा 66 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मार्क्स एकरमैन 18 और विकेटकीपर रिवाल्डो मूनसामी 5 रन ही बना सके।

मिडिल ऑर्डर में रुबिन हरमन ने टियान वान वुरेन के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने टीम को 250 के पार पहुंचाया। रुबिन 54 और टियान 46 रन बनाकर आउट हुए। प्रेनेलन सुब्रायन 1 और लुथो सिपामला 6 रन बनाकर आउट हुए। इसी के साथ पहले दिन का खेल भी खत्म हो गया। शेपो मोरेकी 4 रन बनाकर नॉटआउट रहे। भारत के लिए ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान ने 83 रन देकर 4 विकेट लिए। मानव सुथार ने 62 रन देकर 2 विकेट लिए। खलील अहमद, गुरनूर बरार और अंशुल कम्बोज को 1-1 विकेट मिला। आयुष बडोनी कोई विकेट नहीं ले सके।

हाइलो ओपन

किरण जॉर्ज ने किया उलटफेर

- **15वें नंबर के खिलाड़ी पोपोव को हराया; लक्ष्य-रक्षित क्वार्टर फाइनल में**

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के किरण जॉर्ज ने शानदार प्रदर्शन किया और उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में हराया। किरण ने इसके साथ ही पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-

18, 21-19 से हराया। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। इससे पहले लक्ष्य सेन और रक्षिता रमेश ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्रमश: पुरुष और महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने हमवतन एस सुब्रमण्यन को 21-14, 21-11 से हराया, जबकि रक्षिता ने एक अन्य ऑल इंडियन मुकाबले में श्रीयांशी वलिशेट्टी को 58 मिनट में 19-21, 21-8, 21-13 से शिकस्त दी। लक्ष्य अगले दौर में फ्रांस के चौथे वरीय एलेक्स लेनियर से भिड़ेंगे जबकि रक्षिता को डेनमार्क की छठी वरीय लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करना है। पुरुष एकल के एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में आयुष शेट्टी का सामना छठे वरीय और पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन येव से होगा।

श्रेयस अय्यर ने खुद तोड़ी चुप्पी

हेल्थ पर दिया पहली बार अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर ने चोट से उबरने के दौरान अपने शुभचिंतकों के समर्थन के लिए आभार जताया है। अय्यर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान कैच लपकने की कोशिश में चोटिल हुए थे। जांच में पता चला कि उन्हें %स्प्लीन% में गहरी चोट आई है। श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को सोशल मीडिया अकाउंट %एक्स% पर पोस्ट में लिखा, %मैं अभी रिकवरी के प्रोसेस में हूं। हर गुजरते दिन के साथ बेहतर होता जा रहा हूं। मुझे मिली शुभकामनाओं

और समर्थन के लिए मैं बहुत आभारी हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे अपनी दुआओं में रखने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

25 अक्टूबर को श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया की पारी के 34वें ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच लपकने के बाद मैदान पर गिर पड़े थे। इसके बाद अय्यर दर्द से छटपटाते नजर आए। तुरंत अय्यर को मैदान से बाहर ले जाया गया, जिसके बाद ड्रेसिंग रूम में उन्हें सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। शुरुआत में इसे पसलियों की चोट माना जा रहा था, लेकिन बाद में इसकी गंभीरता पता लगने पर उन्हें सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया।

1.10.25_1.09.25 Final.qxd 31-10-2025 21:34 Page 9

शौंकी सरदार के बाद अब

निमृत कौर अहलूवालिया की ओटीटी पर एंट्री, शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है। सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है।

क्या सलमान खान की फिल्म

'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा बने बिग बी? डायरेक्टर की पोस्ट से मिला हिंट

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' काफी चर्चा में है। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। हाल ही में डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने एक पोस्ट शेयर की, जिससे लगता है कि 'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा अमिताभ बच्चन भी बन रहे हैं।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' आर्मी बैकग्राउंड पर है। फिल्म में सलमान एक आर्मी ऑफिसर के रोल में दिखेंगे। फिल्म को अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। इस डायरेक्ट ने अमिताभ बच्चन के साथ एक पोस्ट शेयर की। जिससे हिंट मिलता है बिग बी भी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा बन रहे हैं।

अपूर्व ने पोस्ट में क्या लिखा?

अपूर्व लाखिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में अमिताभ बच्चन के साथ एक फोटो शेयर की। उस पर कैप्शन लिखा, 'लीजेंड, सेट पर।' आगे वह लिखते हैं, 'सोचिए, वह मुझे क्या बता रहे हैं।' इस फोटो में अमिताभ बच्चन कुछ कह रहे हैं और अपूर्व सुन रहे हैं।

अपूर्व ने फिल्म का नाम नहीं लिखा

अपनी पोस्ट में डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का नाम नहीं लिखा है। ऑफिशियली भी इस बात की पुष्टि नहीं की गई। अब देखना होगा कि क्या सच में

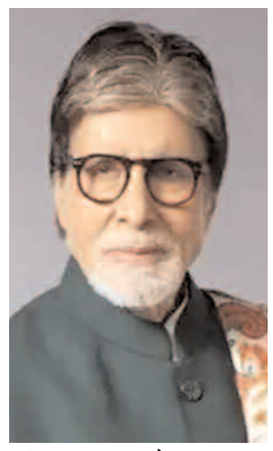

अमिताभ बच्चन और सलमान खान साथ काम करेंगे।

कब रिलीज होगी सलमान की फिल्म

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की अभी शूटिंग चल रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी साझा नहीं की गई है। लेकिन उम्मीद है कि अगले साल ईद पर सलमान की यह फिल्म रिलीज हो जाएगी।

मशहूर गायिका-गीतकार आस्था गिल ने बताया संगीतकार बनने की सोच कैसे बदली

मशहूर गायिका-गीतकार आस्था गिल को कमरिया और डीजे वाले बाबू जैसे गानों के लिए जाना जाता है। वह इन दिनों म्यूजिक रियलिटी शो आई-पॉपस्टार में मेंटर की भूमिका निभा रही हैं। शो के प्रमोशन के दौरान आस्था गिल ने आईएएनएस से खास बात की। आस्था ने बताया कि कैसे उन्होंने एक कलाकार के रूप में अपनी सोच में बदलाव किया है और इंडस्ट्री को समझने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि किसी भी कलाकार के लिए एक हिट गाना देना उसकी जिम्मेदारी होती है। टीम लगातार बताती रहती है कि बाजार में क्या चल रहा है, क्या परिणाम होने चाहिए और इसे कैसे बनाया जाना चाहिए। आस्था गिल ने कहा, सच कहूं तो मुझे समझने में बहुत समय लगा। मैं संगीत बनाते समय अटक जाती थी क्योंकि एक संगीतकार के तौर पर मेरा बिजनेस माइंड मेरे अंदर के कलाकार पर हावी हो जाता था। लगभग दो साल से मैं अपनी विचार-प्रक्रिया बदल रही हूं। मैंने जानबूझकर खुद को इस शोर से अलग कर लिया है। मुझे दो साल पहले अहसास हुआ कि मैं अपनी कला में खोई हुई थी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि कैसे आगे बढ़ूं। उन्होंने आगे बताया, जब मैं किसी रिकॉर्डिंग सेशन में बैठती थी, तो सोचती थी, मैं अपना गीत लिखना चाहती हूं, मैं अपनी कहानी लिखना चाहती हूं। अब मैंने लिखना शुरू कर दिया है, मैंने अपनी कहानी लिखनी शुरू कर दी है क्योंकि अब मैं उस शोर में नहीं खोई रहती। उस समय मैं समझ नहीं पाती थी कि क्या कमी रह गई है, इसमें मुझे बहुत समय लगा।

कबीर सिंह फिल्म ने बदल दी जिंदगी

निकिता दत्ता ने बनाया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट

ज्वेल थीफ और कबीर सिंह जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता टीवी और हिंदी सिनेमा का जाना-माना चेहरा हैं। निकिता ने आईएएनएस से खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म, शाहरुख खान और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली कास्टिंग पर खुलकर बात की। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के होते विस्तार और कास्टिंग को लेकर आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ बड़े पर्दे पर ही अभिनेताओं को पसंद किया जाता था, लेकिन अब ओटीटी की वजह से कई माध्यम विकसित हो गए हैं। अब दर्शक जितना पर्दे पर बड़े स्टार्स को देखना पसंद करते हैं, उतना ही ओटीटी पर। उन्होंने सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली कास्टिंग पर कहा, पहले ऐसा नहीं होता था। अब कास्टिंग से पहले आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। कास्टिंग प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, ना कि सोशल मीडिया फॉलोवर्स के आधार पर। निकिता ने शाहरुख खान के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना उनके लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह है। उन्होंने कहा, जब से मैंने इस इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से यह मेरा सपना रहा है। अब भी यही ड्रीम प्रोजेक्ट है कि बस शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल जाए। फिल्म कबीर सिंह निकिता के लिए बहुत खास रही। इसी फिल्म से निकिता को टीवी के बाद बड़े पर्दे पर पहचान मिली। उन्होंने कहा कि कबीर सिंह फिल्म ने मेरी जर्नी में बदलाव लाया, लोगों ने उस फिल्म से मुझे पहचाना और बहुत प्यार दिया। कबीर सिंह के लिए हमेशा मेरे दिल में खास जगह रहेगी। बता दें कि निकिता मराठी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। उन्होंने हाल ही में घरत गणपति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने अवॉर्ड के साथ प्यारी सी फोटो भी शेयर की थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ टीवी पर हिट सीरियल भी दिए हैं। उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल, 2016 में एक दूजे के वास्ते, और 2017 में हासिल में काम किया। एक्ट्रेस ने ओटीटी पर भी अपनी पहचान बनाई और कई सीरीज में नजर आई।

मधुरिमा तुली ने डेनिम-ऑन-डेनिम लुक और बोल्ड रेड हील्स के साथ दी स्टाइल की नई परिभाषा

मधुरिमा तुली ने एक बार फिर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के साथ सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अपने हालिया फ़ोटोशूट में उन्होंने क्लासिक डेनिम-ऑन-डेनिम ट्रेंड को एक मॉडर्न और फ्रेश अंदाज़ में पेश किया। स्क्रीन पर अपनी दमदार मौजूदगी और स्टाइलिश व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली मधुरिमा ने साबित किया कि सही स्टाइलिंग के साथ डेनिम जैसे सदाबहार फैब्रिक भी एक प्रभावशाली बयान दे सकते हैं। फ़ोटोशूट में मधुरिमा ने हल्के वॉश वाला डेनिम जैकेट और उसी के साथ मैचिंग जींस पहनी है, जिससे एक कोऑर्डिनेटेड लुक बनता है जो एक साथ ही आरामदायक और हाई-फ़ैशन लगता है।

अंदर उन्होंने एक साफ़-सुथरा सफ़ेद टॉप पहना है, जो डेनिम के गहरे टोन के साथ सुंदर कंट्रास्ट बनाता है और उनके आउटफ़िट की लेयरिंग को और भी निखारता है। सफ़ेद रंग का यह टच लुक में ताज़गी और संतुलन लाता है। लेकिन इस पूरे लुक की असली शोस्टॉपर हैं उनकी स्ट्राइकिंग रेड हील्स – एक ऐसा बोल्ड ऐक्सेसरी जिसने इस कैजुअल डेनिम एन्सेम्बल को तुरंत स्टेटमेंट लुक में बदल दिया। म्यूटेड डेनिम ब्लूज़ के बीच लाल रंग की यह चमकदार झलक एक विज़ुअल बैलेंस बनाती है जो साहसिक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी है। यह इस बात की याद दिलाती है कि एक सही चुना गया ऐक्सेसरी पूरे आउटफ़िट का टोन बदल सकता है। मधुरिमा ने अपने लुक के बाकी हिस्से को काफ़ी मिनिमल रखा – ताकि उनका आउटफ़िट और उनका आत्मविश्वास खुद बात करें। सॉफ्ट नैचुरल मेकअप और खुले वॉल्यूमस बालों के साथ उन्होंने इस लुक को बेहद सहजता और एलेगेंस के साथ कैरी किया। कम ज्वेलरी पहनकर उन्होंने साबित किया कि ग्लैमर हमेशा ओवरडो नहीं होना चाहिए – सादगी भी प्रभावशाली हो सकती है। अपने लुक के बारे में बात करते हुए मधुरिमा ने कहा,

मुझे ऐसे आउटफ़िट पसंद हैं जो सिंपल हों लेकिन पावरफुल – डेनिम हमेशा से मुझे कॉन्फिडेंस जैसा लगता है।

यह बात बिल्कुल दर्शाती है कि उनका फैशन सेंस कितना अंडरस्टेटेड, प्रभावी और पर्सनैलिटी से भरा हुआ है।

इस लुक की ख़ासियत यह भी है कि यह उनकी असली स्टाइल पर्सनैलिटी को दर्शाता है – एलीगेंट लेकिन इफ़र्टलेस, फैशनेबल लेकिन ओवरडोन नहीं। चाहे रेड कार्पेट हो, कैजुअल आउटिंग या एक क्यूरेटेड शूट, मधुरिमा हर फ्रेम में अपनी पहचान छोड़ती हैं।

डेनिम-ऑन-डेनिम स्टाइल के साथ बोल्ड रेड हील्स और उनकी नैचुरल चार्म ने एक बार फिर साबित किया कि सच में स्टाइल वही है जिसमें हो आत्मविश्वास, आराम और थोड़ा सा बेखौफ़ अंदाज़।

अजगर के साथ पोज देती नजर आई प्रियंका चोपड़ा, नया नहीं यह शौक है काफी पुराना

प्रियंका चोपड़ा ने कुछ ही देर पहले अपने एक पुराने शौक को सोशल मीडिया हैंडल पर फैंस के साथ शेयर किया है। उन्होंने अजगर को गले में लटकाए कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने कुछ ही देर पहले सोशल मीडिया पर अपने पति निक जोनस के साथ कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देखकर प्रियंका का एक पुराना शौक नजर आ रहा है। प्रियंका ने अजगर को गले में डालकर हंसते हुए पोज दिए।

दिल तोड़ गया तू गाना सच्चे दर्द और आत्मचिंतन से निकला है : विशाल मिश्रा

एक्ट्रेस यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म हक का गाना दिल तोड़ गया तू रिलीज हो गया है। इसके कंपोजर विशाल मिश्रा हैं। यह गाना बुधवार को रिलीज हुआ। उन्होंने बताया कि यह गाना सच्चे दर्द और आत्मचिंतन से निकला है। विशाल मिश्रा ने एक बयान में कहा, यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। दिल तोड़ गया तू सच्चे दर्द और आत्मचिंतन से निकला है। यह उस प्यार के बारे में है जो आपको बदल देता है और उसके बाद आने वाली खामोशी को दिखाता है। इमरान और यामी ने उस भावना को पर्दे पर खूबसूरती से बयां किया है। कौशल किशोर ने दिल तोड़ गया तू के बोल लिखे हैं।

शाहरुख खान से तुलना होने पर हर्षवर्धन राणे का जवाब

वो भगवान हैं और मैं उनका पुजारी हूं

अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों फिल्म एक दीवाने की दीवानियत को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच एक मामले में उनकी तुलना शाहरुख खान से की गई, जिस पर उन्होंने रिएक्शन दिया है। हर्षवर्धन राणे ने अपनी संजीदा अदाकारी के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। इन दिनों उनकी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत थिएटर्स में लगी है, जिसमें उन्होंने एक जुनूनी आशिक का रोल निभाया है। 21 अक्तूबर को रिलीज हुई फिल्म अपना बजट निकाल चुकी है। हाल ही में एक पोर्टल ने हर्षवर्धन की तुलना शाहरुख खान से कर दी। इस पर हर्षवर्धन असहज हो गए। उन्होंने क्या रिएक्शन दिया है? जानिए

शाहरुख खान से की गई तुलना

दरअसल, एक न्यूज पोर्टल ने शाहरुख खान के साथ हर्षवर्धन राणे की तुलना करते हुए लिखा कि कोविड के बाद हर्षवर्धन ने एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो पहले किसी के नाम दर्ज नहीं था। कोविड 19 के बाद हर्षवर्धन ऐसे स्टार बन गए हैं, जिनकी एक ही साल में दो फिल्में थिएटर्स में रिलीज हुई हैं। इस मामले में उन्होंने शाहरुख खान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिनकी कोविड के बाद साल 2023 में पठान और जवान दो फिल्में रिलीज हुई थीं।

हर्षवर्धन बोले- गुजारिश है कि...

हर्षवर्धन ने पोर्टल की न्यूज अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए रिएक्शन दिया है और गुजारिश की है कि शाहरुख खान के साथ उनकी तुलना न की जाए। एक्टर ने लिखा है, उन्होंने एक साल में दो बार अपने गॉड लेवल स्टारडम से ऐसा किया। मेरा एक साल में दो बार उन्हें फॉलो करने से ऐसा हुआ है। प्लीज मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं कि किसी भी आर्टिकल में मेरा नाम उनके नाम के साथ न लिखें, वह भगवान हैं और मैं उनका एक मामूली पुजारी हूं।

जहीर इकबाल को एक महीने बाद ही कर दिया था प्रपोज : सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में चैट शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल में बतौर गेस्ट पहुंची। यहां वह मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के साथ दिखाई दीं। इस एपिसोड में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में ट्विंकल और काजोल से बात की। इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी लव स्टोरी के बारे में बात करते हुए कहा कि जहीर को मिलने के एक महीने बाद ही उन्होंने अभिनेता को प्रपोज कर दिया था। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, जब मैंने जहीर को देखा, तो मुझे तुरंत ही समझ आ गया कि यही मेरे लाइफ पार्टनर हैं। मुझे बस यही पता था कि मैं अपनी बाकी जिंदगी इसी लड़के के साथ बिताना चाहती हूं। एक महीने बाद, मैंने उनसे कहा कि मैं सिर्फ तुमसे ही शादी करूंगी, और फिर 7 साल बाद हमने शादी कर ली।अपनी शादी के बारे में भी उन्होंने बात की। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, यह हमेशा से मेरा सपना था। मैं कुछ ऐसा करना चाहती थी जो जिंदगी भर याद रहे। इसलिए मैंने सोचा, क्यों न मां की साड़ी पहनूं? मैं मां के पास गई और बोली, मां, अपनी साड़ियां दिखाओ। बस पांच मिनट में मैंने एक सुंदर ऑफ-व्हाइट चिकनकारी साड़ी चुन ली। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इक़बाल की शादी 23 जून, 2024 को हुई। उन्होंने यह तारीख इसलिए चुनी क्योंकि यह उनके लिए बहुत महत्व रखती है। यही वह तारीख है जब उन्होंने 2017 में सलमान खान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' की स्क्रीनिंग और आफ्टर पार्टी के दौरान पहली बार साथ में काफी समय बिताया था।

क्या 52 की उम्र में फिर दुल्हन बनीं महिमा चौधरी? वायरल वीडियो में दिखे बाराती

महिमा चौधरी ने असल में शादी नहीं की है। वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का प्रमोशन कर रही हैं। इसी वजह से दुल्हन बनी हैं। दूल्हे के रूप में संजय मिश्रा नजर आ रहे हैं। दोनों फिल्म में जोड़े के तौर पर नजर आएंगे। इसी फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में यह पूरा फोटोशूट चल रहा है। पैपराजी भी जमकर संजय और महिमा के फोटो खींच रहे हैं।